हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 मार्च, 1997

खण्ड 1, अंक 13

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 21 मार्च, 1997

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(13)1
नियम45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(13)14
विभिन्न विशयों का उठाया जाना/सदन की कार्यवाही में सुधार के लिए सुझाव देना	(13)22
वाक आउट	(13)29
विभिन्न विशयों का उठाया जाना/सदन की कार्यवाही में सुधार के लिए सुझाव देना (पुनरारम्भ)	(13)29
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(13)30
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(13)31
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(13)31
समितियों की रिपोर्टस पे ा करना– (i) पब्लिक अकाउंटस कमेटी की 44वीं रिपोर्ट	(13)32

(ii) पब्लिक अंडरटेकिंग्ज कमेटी की 42वीं रिपोर्ट	(13)32
(iii) वैलफेयर ऑफ ि ाडयूल्ड कास्टस एण्ड ि ाडयूल्ड ट्राइल्ज कमेटी की 22वीं रिपोर्ट	(13)32
(iv) एस्टीमेटस कमेटी की 29वीं रिपोर्ट	(13)32
(v) गवर्नमैंट ए योरैंसिज कमेटी की 28वीं रिपोर्ट	(13)32
बिल– (i) दि महार्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल, 1988 (पुनर्विचार के लिए राज्यपाल से वापस यथाप्राप्त)	(13)33
(ii) दि कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल, 1988 (पुनर्विचार के लिए राज्यपाल से वापस यथाप्राप्त)	(13)36
(iii) दि हरियाणा म्यूनिसिपल कापोरे ान (अमैंडमैंट) बिल, 1997	(13)39
(iv) दि हरियाणा म्यूनिसिपल (अमैंडमैंट) बिल, 1997	(13)40
(v) दि हरियाणा लैजिसलेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एण्ड पैन ान आफ मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 1997	(13)43
ि ाक्षा मन्त्री द्वारा धन्यवाद।	(13)45

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 21 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब सवाल होंगे।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Setting up of a Petrol Pump at Julana

***242. Shri Sat Narain Lather:** Will the Minister of State for Tourism be pleased tostate whether there is any proposal under consideration of the Government to open a petrol pump by the Haryana Tourism Corporation at Julana, District Jind?

पर्यटन राज्य मन्त्री (श्री अतर सिंह सैनी): जी, नहीं।

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी से तो मुझे कतई उम्मीद नहीं थी कि ये आज भी मेरे सवाल का जवाब ''ना'' में देंगे। मैं मंत्री महोदय की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हमारे जुलाना कस्बे से 70 किलोमीटर की दूरी पर नरवाना में टूरिस्ट कैम्पलैक्स है। इधर दूसरी तरफ भी 40 किलोमीटर की दूरी पर पैट्रोल पम्प है। परन्तु जुलाना में कोई

सरकारी पैट्रोल पम्प न होने के कारण किसानों को बहुत सी असुविधा रहती है। इसलिए मैं चाहता हूं कि सरकार वहां पर टूरिज्म कारपोरे ान का पैट्रोल पम्प खोल दे ताकि किसानों को राहत मिल सके।

श्री अतर सिंह सैनीः मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि जहां पर हमारे पर्यटन केन्द्र हैं वहां उन पर्यटकों की सुविधा के लिए हम उन टूरिस्ट कैम्पलैक्स में पैट्रोल पम्प लगाते हैं। अलग से हम कोई पैट्रोल पम्प नहीं लगा रहे। जुलाना मं चूंकि कोई टूरिस्ट कम्पलैक्स नहीं है इसलिए यह प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

श्री सतनारायण लाठरः मैं माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करता हूं कि पहले ये जुलाना में टूरिस्ट कैम्पलैक्स बना दें उसके बाद वहां पर पैट्रोल पम्प खोल दें।

श्री अतर सिंह सैनीः मैं आदरणीय मैम्बर साहेब से निवेदन करता हूं कि इस बारे में अपना एक नोट हमें दे दें। उसके बाद इनके नोट पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर लिया जायेगा।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि लाठर साहब की जुलाना में सड़क के किनारे एक आली ान कोठी बन रही है। मैं चाहता हूं कि वहां पर टूरिस्ट कैम्पलैक्स खोल कर फिर पैट्रोल पम्प खोल दिया जाये।

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मेरी कोठी सड़क से दूर है।

श्री अध्यक्षः पर्यटन मंत्री महोदय से मैं कहना चाहता हू ंकि जहां पर आपके टूरिस्ट कैम्पलैक्स ह। वहां पर तो आप पैट्रोल पम्प लगा रहे हैं लेकिन जहां पर नहीं हैं वहां पर नहीं लगा रहे हैं। जैसा कि अभी आपने जुलाना का जिकर किया। इसी प्रकार से कई और भाहर/कस्बे ऐसे हैं जहां पर आपके टूरिस्ट कैम्पलैक्स नहीं है। मैं जानना चाहूंगा कि जहां पर आपके टूरिस्ट कैम्पलैक्स नहीं हैं क्या वहां पर आप पैट्रोल पम्प खोलने पर विचार करेंगे। यदि आप ऐसी जगहों पर पैट्रोल पम्प खेल देते हैं ता, उसमें क्या हर्ज है?

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, यह पालिसी मैटर तो नहीं है फिर भी हम आपके सुझाव पर कैबिनेट में विचार कर लेंगे।

श्री कृश्ण लालः मैं मंत्री महोदय, से जानना चाहता हूं कि पानीपत में आपका जो स्काईलार्क में पैट्रोल पम्प है उस पर पिछले दिनों डैकती पड़ गई थी जिसमें 6 लाख 40 हजार रुपये लूटे गए थे। मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या वह चोरी ट्रेस हो गयी है या नहीं? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या वह पम्प इन- ायोर्ड है या नहीं?

श्री अतर सिंह सैनीः इसकी एफ0आई0आर0 दर्ज हो चुकी है लेकिन अभी तक कोई अपराधी पकड़ा नहीं गया है। जहां तक इन् योरैं ा की बात है, आगे से हम इन् योरैं ा करवाना भ्रारू कर देंगे।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, जो मुलाजिम वहां पर मारा गया है वह मेरे हल्के के गांव नारा का था और उसका नाम ि ाव दत्त भार्मा था। अपराधी उसको गोली मार कर चले गए। मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह जानकारी चाहूंगा कि क्या उस लड़के के परिवार को कुछ सहायता देने के बारे में सरकार विचार करेगी?

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस बारे में सरकार विचार करेगी।

To Increase Bed capacity of Government Hospital, Ambala Cantt.

***278. Shri Anil Vij:** Will the Minister for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government increase the number of beds in the Civil Hopital, Ambala Cantt.

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन): जी नहीं।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला छावनी का अस्पताल बहुत पुराना अस्पताल है और अम्बाला छावनी की जनसंख्या करीब 2 लाख है। नै ानल हाईवे इसके साथ ही लगता

है। कई बार इस ऐरिया का सर्वेक्षण भी हुआ है और यह ऐरिया एक्सीडैंट प्रोन ऐरिया है। राजपुरा से ले कर अम्बाला तक दुर्घटनाओं की संख्या काफी ज्यादा है। अम्बाला छावनी के आस पास काफी गांव भी लगते हैं जहां से लोग इलाज हेतु यहां आते हैं। इस अस्पताल का स्टाफ स्तर तथा बैड्ज कैपिसिटी काफी कम है। मैं आदरणीय एम0पी0 श्रीमति सुशमा स्वराज ने अपने वि ोश फण्डज से वहां भवन निर्माण करवाया है। मैं माननीय मन्त्री महोदय से निवेदन करूंगा कि क्या वहां पर स्टाफ और नये उपकरण दे कर उस हस्पताल के स्तर को बढ़ाने की कृपा करेंगे?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कैन्ट को जो अस्पताल है वह पहले अम्बाला कैटोनमैंट बोर्ड का अस्पताल था और 10–12 साल पहले ही इस अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग द्वारा टेक ओवर किया गया है। इस अस्पताल की कैपेसिटी 50 बैड्ज की थी लेकिन इसमें 25 बैड्ज और बढ़ा कर इसमें बैडज की संख्या 75 की गई है। इस अस्पताल की जमीन पौनें छः एकड़ है। माननीय विधायक ने कहा है कि इसको 100 बैड्ज का अस्पताल बनाया जाए। मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 100 बैड्ज के अस्पताल के लिए 12 एकड़ जमीन की आव यकता होती है लेकिन अम्बाला छावनी में अभी 12 एकड़ जमीन कहीं पर भी उपलब्ध नहीं है। अभी हम प्रयास कर रहे है। कि 12 एकड़ जमीन हमें उपलब्ध हो जाए। 12 एकड़ जमीन के बिना 100 बिस्तर का अस्पताल नहीं बनवाया जा सकता है। वहां

पर स्टाफ सफि ैंट है और इ0सी0जी0 म ाीन भी है। एक नई इ0सी0जी0 म ाीन हम वहां पर और देने जा रहे हैं। वहां पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अगर 12 एकड़ जमीन उपलब्ध हो गई तो वहां 100 बिस्तर का अस्पताल बनाने बारे विचार कर लिया जाएगा।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि कितनी पापुले ान पर कितने बैड्ज का अस्पताल हरियणा सरकार प्रोवाईड करती है और इसका क्राईटेरिया क्या है?

श्री ओम प्रका ा महाजनः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार की जो नीति है उसके हिसाब से ब्यौरेबार मैं डिटेल बता देता हूं। 5 हजार तक की जनसंख्या पर सब–सैंटर, 30 हजार तक की जनसंख्या पर पी0एच0सी0, एक लाख से एक लाख 20 हजार तक की जनसंख्या पर सी0एच0सी0 और उसके बाद 30 बिस्तर, 50 बिस्तर और 100 बिस्तर अस्पताल होते हैं जो कि पापुले ान के हिसाब से खुलते हैं। इस वक्त अम्बाला छावनी की जनसंख्या के मुताबिक और नार्म्ज के अनुसार 75 बैडज का अस्पताल ठीक है।

श्री राज कुमार सैनीः माननीय स्पीकर सर, चौधरी बंसी लाल जी 1972 में जब मुख्य मंत्री थे तो उस समय नारायणगढ़ में एक बहुत बड़ा अस्पताल बनवाया गया था लेकिन वहां पर अभी

तक एमरजैंसी डियूटी का प्रावधान नहीं किया गया है। एमरजैंसी डियूटी के लिए एक डॉक्टर के लिए मैंने आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री महोदय से अनुरोध भी किया था। मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि वहां पर डॉक्टर कब तक भेज दिया जाएगा और एमरजैंसी सेवाएं कब से भुरू हो जाएंगी?

श्री ओम प्रका ा महाजनः माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने पहले भी इस बारे में मुझसे कहा था और मैंने इनको बता भी दिया था कि जो नई भर्ती हमने डाक्टरों की की है उनमें से हफ्ते या 10 दिन के अन्दर वहां पर डाक्टर भेज दिया जाएगा।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, चरखी दादरी अस्पताल में डैंटल सर्जन और आई सर्जन नहीं हैं। वहां पर जो आई सर्जन था उसको वहां से ट्रांसफर कर दिया गया है। क्या ये वहां पर इन सर्जनज को लगाने के बारे में विचार करेंगे?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के मुखिया की आत्मा से इच्छा है कि हर हास्पिटल में पूरे का पूरा स्टाफ रहे और मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में मुझे दो तीन बार आदे ा भी दिए हैं कि स्टाफ जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए। हम सारे हरियाणा में हर हास्पिटल में डाक्टरों की कमी को पूरा करेंगे ताकि हर हास्पिटल ठीक ढंग से चलाने का प्रबन्ध हो सके।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, जिला भिवानी में पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 और जितनी भी रूरल डिस्पैंसरियां हैं वहां पर पिछले पांच सालों से डाक्टरों की कमी है क्या वहां पर भी भीघ्र अति भीघ्र डाक्टरों की भर्ती करने का कोई विचार है,

श्री ओम प्रका I महाजनः अध्यक्ष महोदय, जिला भिवानी में 25 डाक्टरों का प्रावधान है और वहां पर 20 डाक्टर्ज ही हैं आपकी बात ठीक है वहां पर पांच डाक्टरों की कमी है। अभी हमने जो 205 डाक्टरों की भर्ती की है हम पूरी ईमानदारी से डाक्टरों की पूर्ति करने का प्रयास करेंगे। चाहे वह कमी पी0एच0सी0, सी0एच0सी या रूरल डिस्पैंसरी में है।

श्री चन्द्र भाटियाः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि फरीदाबाद में एक वी0के0 अस्पताल है, उस अस्पताल के लिए एक नई बिल्डिंग बनाई जा रही थी, वह किन कारणों से रोक दी गइ है। क्या मंत्री जी उसको दोबारा से भुरू करवाने का प्रावधान करेंगे?

श्री ओम प्रका I महाजनः अध्यक्ष महोदय, हम 10 नए हास्पिटल बनाने जा रहे हैं। इस बारे में मुझे ध्यान नहीं है कि ये बात कर रहे हैं कि वहां पर काम रोक दिया गया है इस बारे में मैं पता कर लूंगा। वैसे अध्यक्ष महोदय, इनका सवाल इससे सम्बन्धित नहीं है।

श्री जगदी ा नैय्यरः अध्यक्ष महोदय, हमारे क्षेत्र में होडल कस्बा एक बहुत ही बड़ा है वहां के पी0एच0सी0 में दवाईयों की कमी तो है ही साथ ही में वहां पीने के पानी की भी कमी है। वहां पर बीमार व्यक्ति को पीने का पानी काफी दूर से लाना पड़ता है तो क्या मंत्री जी वहां पर पीने के पानी का कोई इंतजाम करवाएंगे?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात कही है हम इस बारे में जांच करवा लेते हैं और यदि वाकई में वहां पर इस प्रकार की इनको कोई ि ाकायत है तो हम भात प्रति ात उसको दूर करेंगे।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, देहात के अंदर जितनी भी सी0एच0सीज0 या पी0एच0सीज0 हैं वहां पर अक्सर यह देखने में आया है कि भाौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है। इनमें तो बीमार आदमी जाते ही रहते हैं इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि प्रायोरिटी बेसिज पर आप पी0एच0सीज0 या सी0एच0सीज0 में भाौचालय की व्यवस्था करवाने की कोि ा ा करें।

श्री ओम प्रका ा महाजनः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, वैसे तो पी0एच0सीज0 एवं सी0एच0सीज0 में लैटरिन की व्यवस्था है। यह अलग बात है कि कहीं पर ये खराब हो गयी हों। लेकिन मैं जब भी कभी इनकी सरप्राइज चैकिंग करता हूं तो सबसे पहले

मैं लैटरिन और बाथरूम को ही देखता हूं कि वे ठीक भी हैं या नहीं।

श्री बिजेन्द्र कादयानः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि पानीपत के अस्पताल में तो मच्छर हैं ही लेकिन सारे भाहर में भी मच्छर बहुत ज्यादा हो गए हैं। क्या मंत्री जी वहां पर इन मच्छरों की रोकथाम के लिए कोई दवाई का छिड़काव करवाने की कृपा करेंगे?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, इनकी रोकथाम के लिए वहां पर छिड़काव करवाने का हमारा प्रोविजन है।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, गांवों में जितने भी पी0एच0सीज0 या सी0एच0सीज0 हैं उनमें से ज्यादातर में डाक्टर्ज और अन्य सभी कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या सेवा में भर्ती करते समय इन लोगों के लिए कोई ऐसी सेवा भार्ते लगाने का विचार रखते हैं कि इनको पहले गांवों में तीन या चार साल तक सर्विस करनी पड़ेगी?

श्री ओम प्रका ा महाजनः माननीय अध्यक्ष महोदय, जो सवाल इन्होने किया है वाकई इसमें भाक नहीं है कि देहात के अंदर कई अस्पतालों में डाक्टर्ज एंव अन्य कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं जबकि ये खाली नहीं रहने चाहिए। हमने इदस बारे में यह निि चत किया है कि ऐसे अस्पतालों में कोई भी पद

खाली न रहे। जहां तक इन्होंने यह कहा कि इनको भर्ती करते समय भार्ते लगायी जानी चाहिएं तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि इस बारे में हमें पहले एल0आर0 से पूछना पड़ेगा कि क्या ऐसी पाबंदी हम लगा सकते हैं या नहीं। लेकिन यह मैं इनको वि वास दिलाता हूं कि ऐसी जगहों पर कोई पद खाली नहीं रहेगा।

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): स्पीकर सर, म। इस बारे में बताना चाहूंगी कि हमने तो अपनी सरकार के आने के बाद ही इस बारे में नियम बना दिए थे कि जो भी डाक्टर नया भर्ती होगा उसको पहले तीन साल तक गांव में सर्विस करनी पड़ेगी और उसके बाद ही वह भाहर में जा सकेगा। इसके अलावा वहां पांच साल की गांव में सर्विस के बाद ही आगे एम0डी0 या एम0एस0 कर सकता है।

श्री अनिल विज: स्पीकर सर, अम्बाला छावनी के अस्पताल के बारे में मंत्री जी ने काफी नकारात्मक जवाब दिए हैं। मैं आपके द्वारा इनसे जानना चाहूंगा क्योंकि अम्बाला छावनी का एरिया ऐक्सीडैंट्स प्रोन एरिया है और ऐक्सीडैंट्स होने के बाद घायल लोगों को वहां पर ही प्रोपर सुविधा ने मिल पाने के कारण पी0जी0आई0 तक ले जाना पड़ता है कई तो रास्ते में ही अपनी जिन्दगी खो देते हैं। क्या मंत्री जी अम्बाला छावनी के अस्पताल में ही ट्रोमा सैंटर या अन्य दूसरी सुविधाएं प्रदान करने के बारे में विचार करेंगे ताकि ऐक्सीडैंटस में घायल हुए लोगों को वहीं पर ही सारी सुविधाएं प्रदान की जा सकें?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, जो सुविधाएं एक अच्छे अस्पताल में दी जाती हैं वे सारी की सारी अम्बाला छावनी के अस्पताल में हैं फिर भी अगर माननीय सदस्य यह समझते हैं कि वह अस्पताल किन्हीं सुविध्याओं से महरूम है तो वे उस अस्पताल की कमियां बता दें तुरंत पूरी कर दी जाएंगी।

श्री नफे सिंह जुन्डलाः अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र जुंडला में एक पी0एच0सी0 जुंडला में है और दूसरी निसिंग में है ये दोनों बहुत खस्ता हालत में हैं न तो वहां पर डाक्टर हैं, न बिस्तरों की अरेंजमैंट है और उनकी चारदीवारी भी गिरी पड़ी हैं जो बीमार व्यक्ति वहां जाता है तो ठीक होने की बजाय और ज्यादा बीमार हो जाता है क्योंकि चारदीवारी टूटी होने की वजह से वहां मवे ाी घुस आते है। वहां डंगर, गधे, घोड़े कुते घूमते रहते हैं जिसकी वजह से वहां बड़ी गन्दगी है मैं जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के की जो पी0एच0सी0 हैं उनकी चारदीवारी बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और बिस्तरों का अरेंजमैंट करने को कोई प्रस्ताव है? इसके साथ मैं यह भी जानना चाहूंगा कि क्या मेरे हल्के में पी0एच0सीज0 खोलने का विचार है?

श्री ओम प्रका ा महाजनः स्पीकर सर, मैंने पहले भी किसी सवाल के जवाब में निवेदन किया था कि इस साल हम 10 अस्पताल, 9 सी0एच0सीज0 और 25 पी0एच0सीज0 की बिल्डिंग बना रहे हैं इस समय जो हमारे पास दर्खास्तें आई हैं उनकी हमने जांच करके पाया है कि उनमें अम्बाला में सिर्फ बराड़ा में बना रहे

हैं और करनाल में हम काछवा में बना रहे हैं। माननीय सदस्य यदि आने हल्के के बारे में दर्खास्त दे दें तो बनाने का प्रयास करेंगे।

Provision of Drinking Water in Bahadurgarh

***358. Shri Nafe Singh Rathee:** Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide drinking water supply to areas across the railway line in Bahadurgarh, district Rohtak?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): जी, हां।

श्री नफे सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह काम कब भुरू हो जाएगा और कितने दिन में खत्म होगा और इस पर कितनी लागत आएगी?

श्री जगन्नाथ: अध्यक्ष महोदय, बहादुरगढ़ माइनर से बहादुरगढ़ भाहर में पानी आता था लेकिन उसकी मात्रा बहुत कम होती थी। मात्रा कम होने के कारण अब यह किया गया है कि गुड़गांव वाटर चैनल से 11 किलोमीटर लम्बी एक बहादुरगढ़ वाटर चैनल बनाकर पानी लाया जाएगा। इस पर 3 करोड़ 13 लाख रुपये खर्च होंगे और हुड्ड व पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट मिलकर के यह खर्च वहन करेंगे। चैनल नहर महकमा बनाएगा। लेकिन समय के बारे में मैं इस वक्त नहीं बता सकता क्योंकि जिन लोगों की

जमीन पड़ती है उन्होंने कोर्ट से स्टे ले रखा है जैसे ही स्टे वैकेट हो जाएगा। काम भाुरू हो जाएगा।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, गांवों में औरतें मटके लेकर खड़ी रहती हैं और पानी के लिए झगड़ा होता है और कभी इसकी चोटी उसके हाथ और कभी उसकी चोटी उसके हाथ में होती है तो मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या हर गांव में टूटियों की संख्या बढ़ाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?

श्री जगन्नाथः सर, आव यकता अनुसार हम हर क्षेत्र में जनसंख्या के हिसाब से इनको बढ़ाने की कोि ा ा कर रहे हैं। सारे हरियाणा के अन्दर हमारी कोि ा ा यह है कि कम से कम 40 लीटर प्रातिदिन प्रति व्यक्ति के हिसाब से सबको पानी मिले। लेकिन हरियाणा के अन्दर 1626 गांव ऐसे हैं जहां 40 लीटर प्रतिदिन प्रति व्यक्ति के हिसाब से भी पानी नहीं मिलता है। 550 गांवों में तो 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी देने का प्रावधान इस साल किया जा रहा है बाकी के जो गांव बच गये हैं उनके लिए अगले साल यह काम कर दिया जायेगा उसके बाद भी अगर कुछ बचे जो उनके लिए बाद में पानी की पूर्ति कर दी जाएगी।

श्री ओमप्रका ा जैनः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इलैक ान के दौरान पानीपत

में दस टयूबवैल्ज लगे थे लेकिन अभी तक वे चालू नहीं हुए हैं क्या मंत्री जी बतायेंगे कि वे इस टयूबवैल्ज कब तक चालू हो जायेंगे?

श्री जगन्नाथः जल्दी ही चालू कर दिये जायेंगे।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मेरे हल्के के गांव ढाडत में एक वाटरवर्क्स है उसमें दो पम्प लगे हुए हैं लेकिन वे स्टार्ट नहीं हुए हैं और इसी तरह राजौंद गांव में जब 1972 में वाटर वर्क्स बनाया गया था तब उस गांव की आबादी 7–8 हजार थी लेकिन अब आबादी 20 हजार हो गई है जिससे आधे गांव में पानी की सप्लाई होती है, क्या मंत्री जी बतायेंगे कि वहां पर नया वाटर वर्क्स बनायेंगे?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, यह समस्या कोई एक गांव की नहीं है यह तो सारे हरियाणा की समस्या है गांव में जिस साईड में वाटर वर्क्स बना हुआ है उस साईड में पानी ज्यादा जाता है और दूसरी साईड में कम पानी पहुंच पाता है। जैसे कि अगर नार्थ साईड में वाटर वर्क्स है तो साऊथ साईड में पानी कम जायेगा दूसरी बात यह है कि गांव में जनसंख्या के हिसाब से भी नलके लगे होते हैं और गलियों में जो नलके लगे होते हैं वे अक्सर खुले रहते हैं जिस कारण से गांव के दूसरे छोर तक पानी नहीं पहुंच पाता है। अब सरकार ने सोचा है कि गांव की गलियों

में जो नल हैं उन पर स्टैंड टेपस लगाये जायें और जो नलके अक्सर चलते रहते हैं उनको बंद किया जाये इस तरह से गांव के दूसरे छोर तक पानी पहुंच जायेगा अगर फिर भी इन स्टैंड टेप को खराब करते हैं तो उस एरिया का पानी बंद हो जायेगा।

श्री कृश्ण लालः मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर कितने वाटर वर्क्स हैं, कितने डोजिंग पम्प हैं और कितने चालू हालत में हैं और कितने बन्द पड़े हैं?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, अगर यह सवाल अलग से दे दे ंतो अच्छा होगा। कल तो ये . . . . . (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। मुंह काले वाले भाब्द कार्यवाही से निकाल दिये जायें।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैं डोजिंग पम्प के बारे में पूछ रहा हूं। (विध्न)

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदय, आप पवार साहब की ग्रीवेंसिज अलग से ले लें क्योंकि ये तो जैनुअन बात लगती है।

श्री जगननाथः ये तो हम पूरे हरियाणा के अन्दर ही करने जा रहे हैं।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। भाुक्र है कि 15 दिनों में पहली बार मेरा नाम तो आपने लिया।

10.00 बजे

श्री जगननाथः हम तो सारे हरियाणा के बारे में गम्भीरता से सोच रहे हैं एक हल्के का मुद्दा नहीं है . . . . और कहते हैं कि हल्के का विकास नहीं होता (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम बताना चाहूंगा कि चुलाना कस्बे में लाईन पार वार्ड नं0 8 में एक हरिजन बस्ती है। वहां पर पीने के पानी की एक बूंद भी नहीं जाती है। जब भी हम विभाग से इस बारे में प्रार्थना करते हैं तो वे कहते हैं कि सैंटर गवर्नमैंट हमें लाईन क्रॉस करने की मंजूरी नहीं देती है। मैं बताना चाहता हूं कि जैसे कि बहादुरगढ़ की समस्या है, ठीक वैसी ही जुलाना की समस्या है। मैं मंत्री जी से आपके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि क्या लाईन पार उस हरिजन बस्ती में पानी पहुंचाने की कोि ा ा करेंगे?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, हम धीरे धीरे हरियाणा की हर बस्ती में पानी पहुंचाने की कोि ा ा कर रहे हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि धारूहेड़ा कस्बे की आबादी 20 हजार हो गई है क्योंकि भिवाड़ी जो कि उसके नजदीक पड़ता है, वहां पर इंडस्ट्रियल कौम्लैक्स बन रहा है। जैसे

कि मंत्री जी ने अभी बताया कि उन्होंने 40 लीटर प्रति व्यक्ति देने का प्रावधान किया है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या धारूहेड़ा के लिए भी कोई ऐसा प्रावधान किया है?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, रोहतक, सिरसा, हिसार और भिवानी ये 6 जिले हैं, जहां पर ज्यादा खारा पानी है। इन जिलों में प ाुओं के लिए भी पीने के पानी की दिक्कत होती है। इन 6 जिलों में 40 लीटर प्रति व्यक्ति नहीं, बल्कि 70 लीटर प्रति व्यक्ति करने जा रहे हैं।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि पिछले दिनों द्योतर गांव में जो बीमारी फैली थी, उससे बहुत सारे लोग मारे गए तथा कई और गांवों में भी इस बीमारी से लोग मारे गए।

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछिए।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। स्पीकर महोदय, हैल्थ विभाग ने इस बारे में जो सर्वे कराया, उससे यह तथ्य सामने आए कि वाटर वर्क्स सिरसा का पानी जो रैस्ट हाउस, सिरसा में आता है, वह भी लैबोरेटरी में चैक करवाने पर खराब पाया गया।

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछिए। भाशण नहीं दीजिए।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, उसकी रिपोर्ट भी फेल आई है। क्या मंत्री जी यह जानते हैं कि रैस्ट हाउस में जो पानी आ रहा है, वह भी अच्छा नहीं है। उससे भी बीमारी फैली है। क्या इसके लिए कोई इन्क्वायरी करवाएंगे?

श्री जगननाथः पब्लिक हैल्थ विभाग में आफिसर्ज जैसे कि एस0डी0ओ0 तथा स्वास्थ्य विभाग के डाक्टरों दोनों की टीम बनाई हुई है। दोनों समय समय पर हर वाटर वर्क्स को चैक करते हैं तथा सैंपल लेते हैं और जहां कहीं भी कोई खराबी पाई जाती है, उसको ठीक करते हैं। हां, अगर इस बारे में कोई वि ोश केस आपके नोटिस में है, तो उसकी जांच भी करा लेंगे और जहां कमी है, उसको ठीक भी कर देंगे।

श्री आनन्द कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मंत्री जी ने बतलाया है कि सभी जगहों पर पानी उपलब्ध कराया जाएगा। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई योजना है कि पूरे हरियाणा में जहा जहां पानी की कमी है, उसको पूरा किया जाएगा?

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, बहादुरगढ़ ब्लाक के गांव मांडोठी जिसकी आबादी लगभग 12 हजार के करीब है, यह करण सिंह दलाल जी का गांव है। इस गांव के आधे से ज्यादा हिस्से में पीने का पानी नहीं पहुंच रहा है। इससे भी बढ़कर बड़े खेद की बात है कि इस गांव में एक कन्या हाई स्कूल है और उस

स्कूल में भी कई सालों से पानी नहीं पहुंच रहा है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इस गांव में पानी की समस्या पर सरकार विचार करें तथा इसका समाधान करवाएं।

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने एक दिन कहा था कि ईसरहेड़ी गांव में पीने का पानी नहीं जाता है। हमने उस गांव के बारे में टैलीफोन करके पता करवाया है वहां पानी पहुंच रहा है यह बात ठीक है कि पानी कुछ कम पहुंच रहा है परन्तु यह बात नहीं है कि उस गांव में पानी बिल्कुल ही नहीं पहुंच रहा है। जिस स्कूल के लिए पीने के पानी के बारे में माननीय सदस्य ने कहा है वहां पर पानी पहुंचाने की पूरी पूरी कोि ा ा की जाएगी।

Upgradation of Govt. Middle School, Bhairon

***301. Shri Balbir Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Goverment Middle School, Bhairon, District Rohtak?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): स्पीकर साहब, वर्तमान में विद्यालय को स्तरोन्नत करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

श्री बलबीर सिंहः स्पीकर साहब, भैरों भैणी गांव का गवर्नमैंट मिडल स्कूल सारी भार्तें पूरी करता है उसमें कमरे भी पूरे हैं और उसकी बिल्डिंग भी पूरी है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जब वह स्कूल दर्जा बढ़ाने के सारे नार्म्ज पूरे करता है

तो उसका दर्जा क्यों नहीं बढ़ाया जाता? आप कम से कम एक हल्के में एक स्कूल का दर्जा तो बढ़ांए। जहां आपने 8–9 और स्कूलों का दर्जा बढ़ाया है तो एक इस स्कूल का भी दर्जा बढ़ा दें।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बलबीर सिंह जी का कल भी एक सवाल था हम उसके लिए पूरी तैयारी करके आए थे और आज भी पूरी तैयारी के साथ आए हैं। एक सवाल की तैयारी करने में पूरी सचिवालय का बहुत समय लगता है। कल ये यूं यूं कर रहे थे यदि इस सवाल के जवाब में मैं भी यूं यूं करूं तो ठीक नहीं होगा। स्पीकर साहब, भैरा भैणी का विद्यालय का दर्जा बढ़ाने के नार्म्ज पूरे नहीं करता। उसके अन्दर कमरे भी कम हैं और उसके पास जमीन डेढ़ एंकड़ है जबकि दर्जा बढ़ाने के लिए कम से कम पांच एकड़ जमीन चाहिए।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, उस गांव की पंचायत उस स्कूल का दर्जा बढ़ाने के बारे में मंत्री जी से मिली थी और इन्होंने उस स्कूल का दर्जा बढ़ाने के बारे में उनको वि वास भी दिलाया था। मंत्री जी आप अपने वायदे को न भूलें आपने कहा था कि इस स्कूल का दर्जा बढ़ाएंगे।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, वह विद्यालय दर्जा बढ़ाने के नार्म्ज पूरे नहीं करता जब नार्म्ज पूरे करेगा तब उसका दर्जा बढ़ाने के बारे में विचार किया जाएगा।

श्री बलबीर सिंहः स्पीकर साहब, वह स्कूल दर्जा बढ़ाने की सारी भार्तें पूरी करता है अगर इन्होंने उसका दर्जा बढ़ाना ही नहीं है तो मैं और क्या पूंछूं।

श्री नफे सिंह जुण्डलाः स्पीकर साहब, मेरे हल्के जुण्डला के नीसिंग, गोन्धर, जुण्डला, जलमाना, बस्तली, ब्रास, खेड़ी नरू बड़े बड़े गांव हैं और इन गांवों के स्कूल दर्जा बढ़ाने के सारे नार्म्ज पूरे करते हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इन गांवों के स्कूलों का दर्जा बढ़ाने पर विचार किया जाएगा?

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह सवाल तो चौधरी बलबीर सिंह के गांव भैरा भैणी के स्कूल के बारे में है। माननीय सदस्य इन गांवों के बारे में अगल से नोटिस दे दें इनको बता दिया जाएगा।

श्री रामफल कुण्डुः स्पीकर साहब, मेरे हल्के सफीदों का मुआना गांव एक बहुत बड़ा गांव है उसकी 16–17 हजार की आबादी है अभी तक उस गांव में हाई स्कूल ही है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या उस गांव के स्कूल का दर्जा बढ़ा कर दस जमा दो प्रणाली का किया जाएगा।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य का यह कहना ठीक है कि सफीदों हल्के का मुआना गांव बहुत बड़ा गांव है इनके हल्के में और भी बहुत बड़े बड़े गांव होंगे। मुआना में हाई स्कूल चल रहा है अगर वह दर्जा बढ़ाने के सारे

नार्म्ज पूरे करता है तो उस पर विचार करेंगे। स्पीकर साहब, मैं इनको बताना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार, हविपा–भाजपा के गठबंधन की सरकार ने हरियाणा को एक नया हरियाणा बनाने का संकल्प लिया है। हम हरियाणा प्रान्त में भाराब बंद करने में कामयाब हुए हैं। हमारी सरकार का ि ाक्षा की तरफ बड़ा रूझान बढ़ा है। हमारा इधर से जो ध्यान हटा है उसको ि ाक्षा की तरफ लगाएंगे। हम नैतिक ि ाक्षा की तरफ ध्यान लगाएंगे। सांस्कृतिक ि ाक्षा की तरफ ध्यान लगाएंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां जहां पर नार्म्ज पूरे होते होंगे वहां वहां पर हम स्कूलों का दर्जा बढ़ा देंगे।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव में नगूरा में मुख्य मंत्री जी गए थे। उस समय ये आ वासन देकर आये थे कि इस स्कूल का दर्जा दस जमा दो का कर दिया जाएगा। इसके साथ ही साथ मैं बताना चाहूंगा कि मेरे हल्के में ढ़ाडत गांव भी एक बहुत बड़ा गांव हैं उस स्कूल में भी सारे नार्म्ज पूरे हैं। क्या ि ाक्षा मंत्री जी इन दोनों स्कूलों का दस जमा दो का दर्जा करने जा रहे है?

श्री राम बिलास भार्माः राणा साहब ने ठीक फरमाया है। जब जींद में प्रिवेंसिज कमेटी की मीटिंग में ही सी0एम0 साहब जाते हैं तो वे गांव गांव में होकर लोगों से बातचीत करते हुए जाते हैं। मुख्य मंत्री जी नगूरा में भी गए थे। कण्डेला में भी गए थे। यह बात राणा साहब ठीक कह रहे हैं कि नगूरा भी एक बड़ा

गांव है और ढ़ाडत भी बड़ा गांव है। ये इन स्कूलों के पूरे नार्म्ज करवा दें, फिर उन पर अव य विचार करेंगे।

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, आज तक ये नार्म्ज क्या है, वे नहीं बता पाये।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, कल मैं पूरी तैयारी के साथ आया था। चिमनी का मैंने आ वासन दिया था (विध्न) चिमनी, डीघल, दुजाना, बेरी व दुबलधन आदि सभी गांवों की मैं पूरी तैयारी के साथ आया था लेकिन इन्होंने कल अपने मुंह पर पट्टी बांधे रखी। (विध्न) कल तो ये मौन बैठे रहे।

श्री अध्यक्षः मौन रखने से तो भाक्ति का वर्धन होता है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, ये मौन तो नहीं रह सकते। कल तो इनकी मजबूरी थी इसलिए मैंने मौन रखे हुए थे। पीछे से इनके ऊपर किसी का दबाव था। जसविन्द्र सिंह जी तो बीच बीच में बोलने की कोि ा ा कर रहे थे। (विध्न)

श्री बलवंत सिंहः हम तो मौन इसलिए रखे हुए थे कि यदि हम बोलेंगे तो कहीं स्पीकर साहब हमें नेम करके हाउस से बाहर न निकाल दें। इसलिए हम नहीं बोल रहे थे। (विध्न)

श्री राम बिलास भार्माः मायना साहब, प्रोफेसर छतर सिंह चौहान की छत्रछाया में किसी को डरने की जरूरत नहीं है। ये बड़े उदार, दयावान और दूसरों का ख्याल रखने वाले व्यक्ति

हैं। आप विधान सभा की पीछे की कार्यवाही निकलवा कर देखें कि किसी भी अध्यक्ष के समय आज तक इतना अधिक समय विपक्ष को मिला हो जितना कि इन्होंने दिया है। इन्होंने अपनी उदारता का परिचय देते हुए, सदन की गरिमा का ध्यान रखते हुए विपक्ष को समय देने का एक नया इतिहास कायम किया है। इन्होंने अवि वास प्रस्ताव पर जो विपक्ष के साथियों ने दिया था जो नोन सिरियस था, उसको अपने खिलाफ विचार करने के लिए हाउस में रखा। इन द्वारा अपने खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा कराये जाने से सदन की गरिमा बढ़ी है। (ाोर एवं विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो बात अभी राम बिलास भार्मा जी ने कही क्या वह कही जानी चाहिए थी। मैं पूछना चाहता हूं कि यह जीरो आवर है या क्वै चन आवर है? (विध्न)

Construction of New Road

***266. Shri Balwant Singh:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road from village Hassangarh to village Khurampur in Rohtak District; and

(b) if so, the time by which the said road is likely to be constructed?

Public Works Minister (Shri Dharamvir Yadav):

(a) Yes, Sir

(b) Road is likely to be completed by 31-3-1998 subject to availability of funds

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी को यह बताना चाहूंगा कि हसनगढ़ से खुरमपुर रोड बहुत ही जरूरी है इसलिए इसको बनाया जाए। मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह भी जानना चाहूंगा कि इस रोड के लिए कितनी धनराि ा उपलब्ध करवाई गई है। क्या वे इसके लिए कोई समय सीमा निर्धारित करेंगे कि इस को इतने समय तक बनवा दिया जाएगा। मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि क्या इसी वित्त वर्श में इस को कम्पलीट करवाने की कृपा करेंगे?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह सड़क साढ़े तीन किलोमीटर लम्बी है और इस पर 14 लाख रुपये व्यय होने का अनुमान है। 3 लाख रुपये की राि ा इस पर खर्च हो चुकी है और भोश राि ा अभी और आने वाली है। जैसे ही और पैसा आएगा इसको बनवाने का कार्य भुरू हो जाएगा और मार्च, 1998 तक इसको कम्पलीट करवाएंगे।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से श्री राम बिलास भार्मा जी से और अन्य माननीय मन्त्रियों से एक जानकारी चाहता हूं कि राम बिलास भार्मा जी ने एक बात कही थी कि उन्हें पूरी तैयारी करनी पड़ती है। क्या वे यह बताने की कृपा

करेंगे कि जब आपने हर प्र न का जवाब ''ना'' में ही देना है तो फिर तैयारी किस बात की करनी पड़ती है? (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि ऐसी बात नहीं है। जो भी प्र न पूछे जाते हैं उनके बारे में पूरी तैयारी करके आना पड़ता है। आंकड़े वगैरा भी तैयार करने पड़ते हैं और आंकड़े मंगवाने भी पड़ते हैं।

श्री बन्ता राम बाल्मीकिः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के रादौर की सड़कें पिछले 10 साल से बनी हुई हैं। उनके बीच में दो पुल बनवाए जाने थे। बरसात के दिनों में वहां 15–20 फुट पानी इकट्ठा हो जाता है जिसकी वजह से स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी दिक्कत होती है और करीब तीन महीने उनकी पढ़ाई की छुट्टी हो जाती है। ये पुल राम नगर से कुण्दला बीकरी के बीच में बनने हैं। इसी प्रकार से बरगट में सड़क बनी हुई है लेकिन कम्पलीट नहीं है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, एक सड़क गुढ़ा गुढ़ी की है जिसकी वजह से लोगों को काफी दिक्कत है क्या इस सड़क को बनवा कर लोगों को राहत देने बारे सरकार विचार करेगी?

श्री धर्मबीर यादवः स्पीकर सर, इस प्र न का जवाब मैं पहले भी दे चुका हूं। गुढ़ा गुढ़ी किसी न किसी सड़क से कनैक्टिड है लेकिन आल्टरनेटिव सड़क नहीं है। अगर कोई खास दिक्कत होगी तो इसको असैस करवा लेंगे।

श्री चन्द्र भाटिया: अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद जिले में सड़कों की हालत बहुत ही खस्ता है। इन सड़कों का निर्माण कार्य मंत्री महोदय कब तक भ्रारू करवाएंगे। बाटा फलाई ओवर का ि ालान्यास कांग्रेस राज्य में हुआ था। आधारि ाला का जो पत्थर लगाया गया था लोग उसको भी उठा कर ले गए हैं। वर्श 1997 में इस पुल के निर्माण के लिए पैसे की व्यवस्था भी की गई है। मैं मंत्री महोदय से यह जानकारी चाहूंगा कि इस बाटा पुल का कार्य कब तक भ्रारू करेंगे?

श्री धर्मबीर यादव: अध्यक्ष महोदय, जितनी भीघ्र हमारे पास इन पुलों और सड़कों को बनाने के लिए फंड आएंगे उतनी भीघ्र हम काम भ्रारू करवा देंगे।

श्री नफे सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, क्या मेरे विधान सभा क्षेत्र में बडौती से जुण्डला सड़क को बनवाने का सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन है क्योंकि वहां पर अनाज मंडी है, हास्पिटल है और स्कूल यादि है। वहां पर लोगों को करनाल से होकर आना पड़ता है जिससे उनको बहुत परे ाानी होती है।

श्री धर्मबीर यादव: अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई भी सड़क बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। अगर माननीय सदस्य बनवाना चाहते हैं तो ये इस बारे में हमें लिखकर भेज देंगे तो हम इसको देख लेंगे।

Opening of Government Colleges at Ellenabad and Rania

***389. Shri Bhagi Ram:** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open Government colleges in Ellenabad and Rania towns of district Sirsa?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): इस बारे कोई भी प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा और मेरी इनसे रिक्वैस्ट भी है कि ऐलनाबाद और रानिया सिरसा से 40–45 किलोमीटर की दूरी पर है और सिरसा को छोड़कर इस एरिये में लड़कों और लड़कियों का कोई भी कालेज नहीं है। इस साल सरकार कई नए कालेज हरियाणा में बनाने जा रही है। तो क्या ये वहां पर भी नए कालेज बनवाने का विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, यह सब–डिविजन है और ऐलनाबाद हल्का ि ाक्षा के मामले में हरियाणा में काफी पिछे है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं भागी राम जी को बताना चाहूंगा कि इस समय राजकीय महाविद्यालय नाथू–श्री–चौपटा, राजकीय महाविद्यालय सिरसा, गुरू हरि कृश्ण, महाविद्यालय जीवन नगर, सी0एम0के0 नै ानल कालेज सिरसा, एस0डी0 कालेज फार गर्ल्ज डबवाली, भगवान श्री कृश्ण कालेज आफ डबवाली में 6 महाविद्यालय कुल मिलाकर के जिले में चल रहे हैं। अगर इन्होंने कोई महाविद्यालय बनवाना है या कोई संस्था वहां पर भवन बनाना चाहती है या इस प्रकार का कोई प्रस्ताव ये

लाएंगे तो ये बता दें हम उस बारे में सर्वेक्षण करवा लेंगे। दूसरा वहां पर अगर किसी ने जमीन दे रखी है, किसी ने भवन बनवा रखा है, इस तरह की कोई बात चौधरी भागी राम जी के पास है तो बताएं हम उस पर विचार कर लेंगे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, अगर वहां पर कोई इनको जमीन दे और वहां पर भवन बना कर दे दे तो क्या मंत्री जी इस सदन में आ वासन देंगे कि उसको टेक ओवर कर लेंगे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, अगर कोई संस्था वहां पर उपयुक्त जमीन और उपयुक्त भवन महाविद्यालय के लिए बनवा कर दें तो हम इस बारे में जरूर विचार करेंगे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, गुरू हरि कृश्ण महाविद्यालय है क्या सरकार इसको टेक ओवर करने का विचार करेगी?

श्री राम बिलसा भार्माः अध्यक्ष महोदय, भागी राम जी ने जो जीवन नगर के महाविद्यालय को टेक ओवर करने के बारे में बात कही है, यह मामला जीवन नगर का नहीं है। इनकी रूचि तो रानिया और ऐलनाबाद में महाविद्यालय स्थापित करने में ह। इन्होंने खुद कहा है कि हम जमीन दें, भवन दें, अगर ऐसी बात है तो हम इस बारे में विचार कर लेंगे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, जब से यह सै ान चल रहा है तब से लेकर आज तक सरकार के मंत्रियों से जब भी

सड़कों, पुलों और इसके अलावा किसी बारे में भी सवाल किया जाए तो यह सरकार कहती है कि भाराब बंदी हो गई है, भाराब बंदी कर दी है। हर बार यही बात कहते हैं।

श्री अध्यक्षः ये जो भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। भागी राम जी आप बैठ जाएं।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, ये स्कूल, कॉलेज की बात करते करते एकदम भाराब पर आ जाते हैं। इनकी तो यही रूचि है। कॉलेज खुलवाने में इनकी कोई रूचि नहीं है। ये घूमफिरकर भाराब पर आ जाते हैं। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः हमारे रिवाड़ी में केवल दो ही कॉलेज हैं जो कि पूरे जिले को कवर कर रहे हैं लेकिन हमारे यहां पर कोई भी गसर्नमैंट कॉलेज नहीं है न लड़कियों ही का और न ही लड़कों का। मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि अगर कोई गांव सरकार को फ्री ऑफ कॉस्ट कॉलेज खोलने के लिए जमीन दे दें जैसे कि मसानी गांव जमीन देने के लिए तैयार है तो क्या ये वहां पर कॉलेज खोलेंगे?

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, कैप्टन अजय सिंह जी ने रिवाड़ी के बारे में अपनी जिज्ञासा प्रकट की। मैं इनको बताना चाहूंगा कि पिछले दिनों, मैं और गृहमंत्री श्री मनी राम जी वहां राव तुलाराम जी के जन्म दिवस समारोह में गए थे तब हमने वहां के रीजनल सैंटर का नाम राव तुलाराम के नाम पर रखने की

घोशणा की थी। पहले जब कैप्टन साहब मंत्री थे तब वह रीजनल सैंटर सरक सरक कर चलता था लेकिन अब वह तेजी से काम करने लग गया है। स्पीकर सर, जब कोई रीजनल सैंटर बनता है तब वहां पर कई कॉलेज भाुरू होते हैं, एम0ए0 की क्लास या अन्य प्रि ाक्षण के कोर्सिज भाुरू करते हैं। रिवाड़ी में तो के0एल0पी0 एवं दूसरा कॉलेज पहले ही चल रहा है। ये मसानी गांव द्वारा जमीन देने की बात कह रहे हैं लेकिन मसानी गांव एक किनारे लगता है इसलिए वहां कॉलेज बनाना ठीक नहीं रहेगा और फिर अभी तो रिवाड़ी में कालेजिज के हिसाब से स्थिति ठीक ही है। हम वहां के रीजनल सैंटर का भी बड़ी तेजी से विकास कर रहे हैं।

Laying of Water Pipe Lines

***434. Shri Ramphal Kundu:** Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there i any proposal under consideration of the Government to lay water supply pipe line in the streets of Sita Ram Colony, Shiv Colony, Gita Colony of Safidon Town?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगननाथ): जी नहीं।

श्री रामफल कुंडू: स्पीकर सर, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जब सरकार गांवों और भाहरों में कोई फर्क नहीं रखना चाहती तो सरकार सफीदों कस्बे की सीता राम कालोनी, ि ाव कालोनी, गीता कालोनी, राजीव कालोनी,

आद र्श कालोनी में पीने का पानी देने में भेदभाव क्यों कर रही है?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, अगर मैं काली पट्टियों का जिक्र करूंगा तो फिर ये कहेंगे कि श्री जगननाथ ऐसा बोलते हैं। (विध्न) सर, जो सवाल इन्होंने पूछा है, उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि सीता राम कालोनी, गीता कालोनी और आद र्श कालोनी के अंदर हम सार्वजनिक स्टैंड पोस्ट के द्वारा पानी दे रहे हैं। इसके अलावा बाकी इनके भाहर के अंदर 110 लीटर पानी प्रतिदिन प्रति व्यक्ति के हिसाब से हम दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी ये कालोनीज अनअथोराइजड हैं फिर भी हम इनको सार्वजनिक स्टैंड पोस्ट के द्वारा ही पानी दे रहे हैं बाकी आने वाले समय में देख लेंगे।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः स्पीकर सर, यहां पर कई मैम्बर्ज ने यह ि ाकायत की कि फलांना गांव में बीमारी फैल गयी क्योंकि वहां पीने का पानी खराब था। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या वे अपने विभाग को ऐसी हिदायतें जारी करेंगे कि बगैर ि ाकायत के ही हर साल हर एक पानी की डिग्गी को चैक किया जाए? यह नहीं होना चाहिए कि बीमारी फैलने के बाद उनको चैक किया जाए। उसके बाद उनको चैक करने का क्या फायदा है?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, ये तो कह रहे हैं कि हर साल पानी की डिग्गी को चैक किया जाए जबकि मैं यह कहता हूं कि हर हफ्ते इनको चैक कर रहे हैं। इसी वजह से कोई बीमारी पहले भी नहीं फैली है।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः लेकिन हमारे यहां पर तो आपके विभाग का कोई जिम्मेदार आदमी आता ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, ये सदन को गुमराह कर रहे हैं।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब प्र नकाल समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Imposing Ban on Farmers

***397. Shri Ramji Lal:** Will the Minister for forests be pleased to state-

(a) whether there is any ban on farmers on cutting trees from their fields which are notified under section 4 of Land Acquired Act; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to lift the ban as referred in part (a) above?

वन राज्य मंत्री (श्री जगदी ा यादव):

(क) जी, नहीं। यद्यपि पंजाब भूमि परिरक्षण अधिनियम 1990 की धारा 4 के तहत भूमि में अधिकार धारकों के वास्तविक घरेलू अथवा कृशि प्रयोजन के सिवाय सफेदा और पापूलर को छोड़कर वृक्षों को काटना वर्जित है। परन्तु भू–स्वामी सम्बन्धित वन मण्डल अधिकारी से अनुज्ञा पत्र प्राप्त करने के बाद वृक्षों को बेच सकते हैं। ऐसे अनुज्ञा पत्र में बिक्री के लिए ऐसी भार्तें निहित होंगी जो वन संरक्षण के हित में समय–समय पर आव यक प्रतीत हों।

(ख) जी, हां।

Allotment of Industrial Plots

***403. Shri Ram Pal Majra:** Will the Minister for Industries be pleased to state the number of industrial plots allotted by HSIDC during the period 1-6-1996 to 31-1-1997 in the State?

उद्योग मंत्री (श्री भाि ा पाल मेहता): हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम ने उन स्थापित औद्योगिक सम्पदाओं में 22 प्लाट और 16 भौड इस अवधि में अलाट किये हैं।

Distribution of Flood Relief

***426. Shri Bhagi Ram:** Will the Minister for Revenue be pleased to state the districtwise details of the amount of flood relief sanctioned and disbursed to the farmers during 1995-96 and 1996-97?

सूची

वर्श 1995–96 तथा 1996–97 के दौरान बाढ़ राहत के लिए स्वीकृत तथा वितरित की गई रा ि ा के जिलावार विवरण की सूची

क्र0	जिला	1995–96 (रुपये लाखों में)		1996–97 (10–3–97 तक)	
		स्वीकृति की गई रा ि ा	वितरित की गई रा ि ा	स्वीकृति की गई रा ि ा	वितरित की गई रा ि ा
1	2	3	4	5	6
1.	रोहतक	5242.00	5242.00		
2.	भिवानी	2863.00	2728.00		
3.	हिसार	3297.17	3296.04		
4.	जींद	3552.76	3552.76		
5.	सोनीपत	1026.65	1026.00		
6.	कैथल	826.82	791.31		
7.	सिरसा	360.85	320.94		

8.	कुरूक्षेत्र	284.55	272.42		
9.	यमुनानगर	150.35	150.35		
10.	अम्बाला	472.76	468.83		
11.	करनाल	405.53	220.33		
12.	पानीपत	218.76	207.69		
13.	फरीदाबाद	299.10	291.50		
14.	गुड़गांव	231.95	177.20	216.61	108.90
15.	रिवाड़ी	489.84	441.60		
16.	महेन्द्रगढ़	44.04	23.61	6.43	0.36
17.	पंचकूला	163.00	156.53		
	कुल जोड़	**19929.13**	**19367.20**	**223.04**	**109.26**

Amount of grant given to injured persons of Dabwali fire incident

***441. Shri Mani Ram:** Will the Minister for House be pleased to state-

(a) the total number of process injured in Dabwali Fire Tragedy during the year 1995;

(b) the amount financial assistance/grant given to persons as refered to in part (a) above; and

(c) whether the financial assistance/grant has been given to all the aforesaid injured persons, if not, the reasons thereof together-with the time by which the financial assistance/grant is likely to be disbursed to remaining persons?

Home Minister (Shri Mani Ram Godara):

(a) Number of injured persons in Dabwali Fire Tragedy: 110

(b) Out of 110 injured, as referred to in part (a) above, 27 seriously injured persons, who were eligible for ex-gratia grant, have been given Rs. 50,000 each.

(c) Only 27 persons referred to in part (b), have been given ex-gratia grant. It is intimated that as per Govt. instructions, an amount of Rs. 50,000 was to be paid to seriously injured persons who became handicapped in the Dabwali fire tragedy i.e. in cases where a person lost his/her leg, limb, eye tec. It is further submitted that as and when any person injured who indentified as seriously injured, he was given ex-gratia grant as per Govt. instructions. Rest of the injured persons were provided free medical treatment on which Rs. 5,69,494 has been incurred by Civil Surgeon, Sirsa and expenditure of approximatley Rs. 75.00 lacs have been by Director General, health Services, Haryana and Rs. 1.00 lac has also been incurred by District Red cross Society, Sirsa.

Upgradation of Primary School, Kheri Rojh

***300. Shri Balbir Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state, whether there is any proposal

under consideration of the Government to upgrade the Government Primary School, Kheri Rojh, District Rohtak?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): वर्तमान में विद्यालय को स्तरोन्नत करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Old Age Pension at Door Steps

***360. Shri Nafe Singh Rathee:** Will the Minister for Social Welfare be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide old age pension to the eligible persons at their door steps?

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): सरकार द्वारा पहले ही लाभ पात्रों को पैं ान का लाभ उनके सम्बन्धित गांवों/वार्डों में दिया जा रहा है। वर्मंमान प्रणाली, जो ठीक प्रकार से कार्य कर रही है, में किसी सं ाोधन करने का क्या प्रस्ताव नहीं है।

Number of persons registered in the Employment Exchanges

***277. Shri Anil Vij:** Will the Minister for Labour & Employment be pleased to state-

(a) the district-wise number of persons registered with the employment exchanges in the State during the years 1991-92, 1992-93, 1993-94, 1994-95 and 1995-96 separately; and

(b) the number of persons out of those as referred to in part (a) above who have been given employment during the aforesaid period?

श्री तथा रोजगार मंत्री (श्री बृज मोहन सिंगला):

(क) सूची अनुबन्ध ''क'' पर रखी है।

(ख) सूची अनुबन्ध ''ख'' पर रखी है।

अनुबन्ध ''क''

तारांकित विधानसभा प्र न नं0 277 के भाग–क के उत्तर में वर्श 1991–92, 1992–93, 1993–94, 1994–95 तथा 1995–96 के दौरान राज्य के रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत प्राथियों का जिलावार ब्यौरा इस प्रकार है:–

जिला	वर्श के दौरान पंजीकृत हुए प्रार्थियों की संख्या				
	1991–92	1992–93	1993–94	1994–95	1995–96
1	2	3	4	5	6
अम्बाला	22259	22677	25391	22562	17110
पंचकूला					–45430
यमुनानगर	13152	13154	13627	12859	14524

कुरूक्षेत्र	8766	9795	10632	9578	10062
कैथल	8670	8961	8568	8148	8400
करनाल	17158	15217	15878	15785	17455
पानीपत	5229	12644	9052	8952	10885
रोहतक	20028	24117	23317	20329	22532
सोनीपत	14235	13185	13598	13043	17385
जींद	13471	12767	14244	12330	12074
भिवानी	14681	19758	16226	15658	15710
गुड़गांव	13001	13242	14252	13524	14841
फरीदाबाद	16760	18426	18332	18913	20027
महेन्द्रगढ़	8186	12433	8732	7999	8618
रिवाड़ी	7484	9425	8796	8889	9520
हिसार	25382	24753	25706	19960	24342
सिरसा	8435	8475	8645	8129	8983
योग	**216897**	**239029**	**234996**	**216658**	**237898**

नोटः जिला पंचकूला 15–8–1995 से अस्तित्व में आया है।

अनुबन्ध ''ख''

तारांकित विधानसभा प्र न नं0 277 के भाग–क के उत्तर में वर्श 1991–92, 1992–93, 1993–94, 1994–95 तथा 1995–96 के दौरान राज्य के रोजगार पर लगे प्रार्थियों का जिलावार ब्यौरा इस प्रकार हैः–

जिला	वर्श के दौरान पंजीकृत हुए प्रार्थियों की संख्या				
	1991–92	1992–93	1993–94	1994–95	1995–96
1	2	3	4	5	6
अम्बाला	736	422	430	339	318
पंचकूला					534
यमुनानगर	442	288	281	130	1590
कुरूक्षेत्र	356	288	283	148	261
कैथल	316	104	157	152	107
करनाल	696	316	326	222	2222
पानीपत	202	101	144	176	183

रोहतक	572	299	314	514	887
सोनीपत	480	214	295	287	1759
जींद	318	162	204	247	289
भिवानी	415	141	116	238	306
गुड़गांव	367	142	351	423	1512
फरीदाबाद	587	415	451	355	2268
महेन्द्रगढ़	352	78	121	190	128
रिवाड़ी	236	137	299	232	123
हिसार	731	243	401	364	1523
सिरसा	288	186	311	639	716
योग	**7094**	**3536**	**4484**	**4656**	**14789**

1. नोटः रोजगार कार्यालयों में प्रार्थियों का पंजीकरण तथा उनका नौकरी पर लगना एक निरन्तर प्रक्रिया है। वर्शवार प्रार्थियों के पंजीकरण में से नौकरी पर लगे प्रार्थियों के आंकडें नहीं रखे जाते इसलिए किसी अवधि वि ोश में नौकरी पर लगे प्रार्थियों की संख्या का उसी अवधि में पंजीकरण की संख्या से कोई सम्बन्ध नहीं है।

2. यहां यह भी उल्लेखनीय है कि रोजगार कार्यालय सहायता उपलब्ध करवाने वाली कई एजैन्सियों में से केवल एक है।

3. जिला पंचकूला 15–8–1995 से अस्तित्व में आया है।

Illegal possession on the land of P.G.I.M.S. Rohtak

***414. Dr. Virender Pal Ahlawat:** Will the Minister of State for Medical Education be pleased to state-

(a) whether any case of illegal possession on the land of P.G.I., Rohtak has come to hte notice of the Government, if so, the details thereof; and

(b) the steps taken or proposed to be taken to get the said land vacated therefrom?

चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मड़िया):

(क) जी हां। पंडित भगवत दयाल भार्मा स्नात्कोत्त आयुर्विज्ञन संस्थान, रोहतक की जिस भूमि पर अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा कब्जा किया हुआ है इस प्रकार है:

(1) संस्था की चार दिवारी पि चमी दि ाा के साथ लगती चिनोट कालोनी रोहतक में स्थित 7400 वर्ग गज भूमि।

(2) दिल्ली–रोहत रेलवे लाईन के साथ लगती श्रीनगर कालोनी में स्थित 19327 वर्ग गज भूमि।

(3) मैडिकल मोड़ (दिल्ली रोड़) रोहतक पर स्थित 789 वर्ग फुट भूमि।

(4) दिल्ली रोड़ रोहतक पर संजय कालोनी में स्थित 1560 वर्ग गज भमि।

(ख) पंडित भगवत दयाल भार्मा, स्नात्कोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान रोहतक की चारदिवारी के साथ लगती चिनोट कालोनी में स्थित 7400 वर्ग गज भूमि स्टाफ क्वाटरज बनाने हेतू 1978 में पुनर्वास विभाग से खरीदी गई थी। इस भूमि पर 1990 में कुछ व्यक्तियों ने धीरे धीरे नाजायज कब्जा कर लिया। जब भूमि खाली कराने का प्रयास किया गया तो ये लोग सिविल कोर्ट, रोहतक से 1990 में स्थगन आदे ा ले आये। जमीन की नि ाानदेही फरवरी, 1994 में कराई तथा 40 नाजायज कब्जा कर्ताओं के विरूद्ध अप्रैल, 1994 में सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत क्लैक्टर, रोहतक के न्यायालय में मुकदमें किये और इन 40 मुकदमों के फैसले इस संस्था के हक में सुनाये गये। परन्तु इनमें से 27 आदमियों ने सिविल कोर्ट रोहतक में सिविल सूट दायर किये जिसकी अगली तारीख 17–3–97 है। सभी केसों में स्थगन आदे ा मिले हुए हैं।

दिल्ली रोहतक रेलवे लाईन के साथ लगती श्रीनगर कालोनी, रोहतक में स्थित 19327 वर्ग गज भूमि सरकार ने 1976 में मैडिकल कालेज रोहतक के विस्तार हेतु अधिग्रहण की थी। 1994 में संस्था ने चारदिवारी बनानी भाुरू की तो 6 नाजायज

कब्जा कर्ता सिविल कोर्ट, रोहतक से स्थगन आदे ा ले आये। यह केस श्री ए0के0 बिमल, सी0जे0एम0 रोहतक की कोर्ट में अभी तक चल रहे हैं। अगली तारीख 19–9–97 नियत की हुई है। इस संस्था की 1560 वर्ग गज भूमि संजय कालोनी (दिल्ली–रोहतक रोड़) में स्थित है, जि पर 24 आदमियों ने नाजायज कब्जे किये हुए हैं। जिनके विरूद्ध सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत 17–1–97 को कलैक्टर, रोहतक के न्यायालय में मुकदमें किये हुए हैं और यह सभी केसिज चल रहे हैं और इन केसिज की अगली तारीख 26–3–97 लगी हुई है।

मैडिकल कालेज रोहतक के मैडिकल मोड पर स्थित 789 वर्ग फुट भूमि पर भी 4 व्यक्तियों ने अवैध कब्जा किया हुआ है। इस संस्था ने जुलाई, 1995 में सार्वजनिक परिसर अधिनियम के तहत कलैक्टर, रोहतक के न्यायालय में केस दायर किया। ये केसिज चल रहे हैं।

Conpensation to hte Farmers

***431. Shri Ram Phal Kundu:** Will the Chief Minister be pleaed to state whether it is a fact that compensation is being paid to farmers in whose field big electricity lines have been installed, if so, the time by which the farmers of Safidon constitutency are likely to be compensated?

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Yes, Sir, Compensation is paid to the farmers for damage to the crops

during construction of transmission lines as well as for the land falling under the towers of transmission lines, whereever claimed. No transmission line has been constructed recently by the Board in Safidon constitutency and there is no pending representation for land compensation with HSEB with regard to this constituency.

Allocation of Coal to the Thermal Power Plants

***392. Shri Jai Singh Rana:** Will the Chief Minister be pleased to state the total quantity of coal allocated and supplied separately to the varioud Thermal Power Plants in the State during the year 1993-94, 1995-96 and 1996-97?

Chief Minister (Shri Bansi Lal): A statement is laid on the table of the House.

Statement

The details in respect of coal supplied to Thermal Power Stations in the State during the years referred to in the question are as follow:-

Quantity of coal in Metric Tonnes

	1993-94	**1995-96**	**1996-97 (Upto 1/97)**
Panipat Thermal Project	2760000	2640000	2300000
-Allocated	1676586	1878650	1841704

-Supplied			
Faridabad Thermal Project			
-Allocated	780000	900000	685000
-Supplied	578781	671420	517092

Masani Barrage

***328. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to erect a wall and install shutters at Masani Barrage;

(b) if so, the time by which the above-said proposal is likely to be implemented; and

(c) whether full compensation to the farmers whose land was acquired for the barrage as referred to in part (a) above has been paid, if not, the reason thereof?

Chief Minister (Shri Bansi Lal):

(a) Yes Sir.

(b) Temporary wall has since been completed. However, hoisting arrangements will be got ready for installation as early as possible.

(c) Full compensation for land acquired has since been paid.

Setting up of VI Unit in Panipat Thermal Plant

***235. Shri Krishan Lal:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up 6th power production unit of 210 M.W. in Panipat Thermal Power Plant;

(b) if so, the time by which the aforesaid unit is likely to be set up?

Chief Minister (Shri Bansi Lal):

(a) Yes, Sir.

(b) This unit was planned to be constructed through Plan Funds. The work was taken up in the year 1990 and was scheduled to be completed by March, 1994. However, due to paucity of funds, the work could not progress. Various modalities to resume work on this unit are presently under consideration. It will take about 30 months to complete this unit from the start of work.

विभिन्न विशयों का उठाया जाना/सदन की कार्यवाही में सुधार के लिए सुझाव देना

श्री जसविंद्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, जीरो आवर में पहले विपक्ष को बोलने का समय दिया जाना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Zero hour is not only meant for the opposition, it is meant for all please.

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पहले आप हमारी सबमी ान सुन लें। जीरो आवर में अपोजी ान को पहले टाइम देना चाहिए। जब भी जीरो आवर आता है पहले सतनारायण लाठर जी खड़े हो जाते हैं, यह रोज का काम है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः पहले लाठर साहब, बोलेंगे उसके बाद बलवंत सिंह मायना बोलेंगे। (ाोर एवं विध्न)

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः . . . . . .

श्री बलवंत सिंहः . . . . . .

श्री अध्यक्षः ये जो कुछ भी कह रहे हैं, उसे रिकार्ड न किया जाए। मेरी आपसे प्रार्थना है कि आज बजट सत्र का अंतिम दिन है, हल्के दिल से जाइए। खूब बोलकर जाइए। जितना कहेंगे उतना समय दूंगा। (विध्न)

श्री सतनारायण लाटरः माननीय अध्यक्ष महोदय, दो दिन से आपने विपक्ष को खुले मन से बोलने का समय दिया और इतना दिया कि हरियाणा विधान सभा में यह रिकार्ड है। 1 नवंबर 1966 से जब से हरियाणा बना है इतना समय विपक्ष को कभी नहीं दिया गया। कल माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी कह दिया कि विपक्ष के विधायकों को बुलाओ और सतापक्ष के किसी भी विधायक को समय नहीं दिया गया। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आज के अखबारों में श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला ने चिट्ठी सप्लाई की है और उसमें उसने कहा है कि विपक्ष को समय नहीं दिया जा

रहा है जबकि परसों और कल जितना समय सुर्जेवाला ने और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने लिया है यह सबको पता है। क्योंकि सभी विपक्षी साथियों का समय तो वे दो आदमी खा गए और आज सुर्जेवाला जी कहते हैं कि समय नहीं दिया जा रहा है। इतना समय देने के बावजूद भी इनकी बोलने की तमन्ना पूरी नहीं हो रही है। चिट्ठी सप्लाई करने वाला आज इस सदन में है ही नहीं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जसविन्द्र सिंह संधु: स्पीकर साहब, आप इन्हीं को समय दे रहे हो, हमें तो बोलने का समय दे ही नहीं रहे। (विध्न)

Mr. Speaker: Shri Jaswinder Singh, I warn you, you please take your seat. (Interruptions).

श्री सतनारायण लाठर: अध्यक्ष महोदय, विपक्षी साथी अपनी बात कहने के लिए तो एक घंटे तक खुलकर भाशण देते हैं इस सदन की गरिमा को घटाते है। और सदन को गुमराह करते हैं वे अपनी बात तो कह देते हैं लेकिन हमारी बात नहीं सुनते। (विध्न) चौधरी वीरेन्द्र सिंह 1991 में मुख्यमंत्री पद के लिए वोट मांगकर आये थे और उन्होंने यहां पर खुद चौधरी भजन लाल जी के नाम का प्रस्ताव किया तथा खुद उनकी सरकार में मंत्री बन बैठे। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी तो कहते थे कि तीनों लालों से बचो और अब खुद चौधरी भजन लाल जी के साथ वाक–आउट करते हैं और उनकी पैरवी भी करते हैं (ाोर एवं व्यवधान) पिछली

विधान सभा में चौधरी वीरेन्द्र सिंह ''ए'' और ''बी'' टीम का जिक्र करते थे अब ये देख लें कि ए और बी टीम कौन सी हैं (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, क्या ये कोई बातें कहने की हैं? (विध्न)

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब आप नये सदस्य तो हैं नहीं, आप तीसरी बार चुनकर आये हैं। मंत्री भी रहे हैं उनकी बात सुनिये फिर अपनी बात कहना। आप ही ऐसा करेंगे तो मैं आपको चेतावनी देता हूं कि आप कृपया बैठिये।

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने विपक्ष के भाईयों को बताना चाहता हूं कि सजपा पार्टी वाले कि तरह ''ए'' और ''बी'' टीम की बात करते थे। अब इनका असली रूप देखो कैसे आपस में मिलकर बातें करते हैं और प्रदे ा की जनता को गुमराह कर रहे हैं। जनता उनका असली रूप देख रही है। 1987 में चौधरी देवीलाल और चौधरी औमप्रका ा चौटाला की सरकार रही उस समय इन कांगेसियों को विधानसभा में घुसने नहीं दिया जाता था, बाहर ही इनके कपड़े फाड दिये जाते थे। (विध्न)

श्री अध्यक्षः मेरा माननीय सदस्यों से नम्र निवेदन है कि पहले आप इस सदस्य की बात सुने फिर अपनी कह लेना। अगर आप ऐसा करेंगे तो फिर वे भी ऐसा करेंगे। (विध्न) हुड्डा साहब,

जब आपको टाइम दिया जाता है, तब तो आप बैठे रहते हैं। (विध्न)

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इन्हें बताना चाहता हूं कि आज चौधरी वीरेन्द्र सिंह चौटाला साहब की पैरवी कर रहे हैं और जब चौटाला साहब की सरकार थी और चौधरी वीरेन्द्र सिंह की पार्टी के पांच आदमी चुनकर आये थे तो इन्हें विधानसभा में घूसने नहीं दिया जाता था। बाहर से ही वापस कर दिया जाता था और आज ये उनकी पैरवी कर रहे हैं। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको बता देना चाहता हूं कि मैंने अपनी जवानी के 16 साल चौधरी देवीलाल और चौधरी औमप्रका ा चौटाला के लिए गुजारे हैं अगर इन्होंने मात्र चार महीने के लिए मुझे इंफैड का चेयरमैन बना दिया तो मेरे ऊपर कोई एहसान नहीं किया था उसके लिए ये बार बार दुहाई दे रहे हैं जबकि उस समय चौधरी देवीलाल जो कुछ थे व हमारे जैसे कार्यकर्ताओं के कारण ही थे इसलिए उनका मेरे ऊपर कोई एहसान नहीं है। चौधरी बंसीलाल जी की तो सारे हरियाणा प्रदे ा की जनता ऋणी है, इनका मुकाबला ये लोग कहां कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, ये बार बार भाोरे वाला और मड़िया जी का जिक्र करते हैं। मैं अपने साथियों को बताना चाहता हूं कि 1987 में ये 85 एम0एल0ए0 चुनकर आये थे लेकिन जब श्री धनिकलाल मंडल जी ने चौटाला को बहुमत साबित करने को कहा तो चौटाला साहब अल्पमत में थे। इसीलिए तो जो चौटाला साहब कारनामें

करते हैं उसी के कारण भाोरवाला जी और मड़िया जी इनको छोड़ कर आये हैं हमने इनको खरीदा नहीं है कोई लालच नहीं दिया है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, 1977 में हरियाणा की जनता ने चौधरी देवी लाल जी को 76 एम0एल0ए0 दिये थे लेकिन ओम प्रका ा चौटाला जी के कारनामों से सिर्फ 36 एम0एल0ए0 ही उनके पास रह गए थे और 40 एम0एल0ए0 इनका साथ छोड़कर कांग्रेस में चले गए थे। 1982 में हरियाणा की जनता ने चौधरी देवी लाल को 50 एम0एल0ए0 दिये थे लेकिन इनके पास सिर्फ 9 एम0एल0ए0 ही रह गये थे तथा बाकी 41 एम0एल0ए0 श्री ओम प्रका ा चौटाला के कारनामों की वजह से इनका साथ छोड़ गए थे। अध्यक्ष महोदय, इनके कारनामे मैं कहां तक बताऊं? इन्होंने सत्ता पक्ष के बैंचों पर बैठकर विपक्ष के नेताओं के साथ क्या क्या नहीं किया। श्री कृपा राम पूनिया एक हरिजन नेता का श्री ओम प्रका ा चौटाला ने जींद में मुंह काला करवाया। (ाोर)

Mr. Speaker: Lather Sahib, I would request you to avoid controversy.

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथियों को बताना चाहता हूं कि इन्होंने श्री बनारसी दास गुप्ता जी पर सरेआम गोलियां चलवाई। (ाोर)

Mr. Speaker: Please conclude now.

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने महामहिम राज्यपाल महोदय का फरीदाबाद में मुंह काला करवाया था। इन

लोगों के कारनामे सारे हरियाणा प्रदे ा की जनता जानती है। आज ये कानून और व्यवस्था की बात करते हैं, जिन्होंने लोगों पर सरेआम गोलियां चलवाई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इन कांग्रेसी साथियों को भी बताना चाहता हूं कि आज ये इस प्रकार की बातें कर रहे हैं। ये अपने दिन भूल गये हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप कितना समय और लेंगे?

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में ही अपनी बात पूरी कर लेता हूं। आज चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी तीनों ''लालों'' की बात करते हैं। (ाोर)

Mr. Speaker: Please conclude now.

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, इनका जो रूप है, वह सारी जनता को पता है कि ये कैसे विधान सभा में आए हैं। आज ये हमारे ही लोकसभा के उम्मीदवार के साथ समझौता करके विधान सभा में बैठे हैं वरना ये विधान सभा में नहीं पहुंच सकते थे। (ाोर)

श्री अ ाोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैंने एक काल अटैं ान मो ान दिया था, उसके बारे में मैं पूछना चाहता हूं कि उसका क्या बना?

श्री अध्यक्षः आपका जो काल अटैं ान मो ान था, वह आज सुबह 8 बजे ही आया है। That is under consideration.

श्री अ ाोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, दा दिन भााहबाद भाूगर मिल बंद रही है। इससे किसानों का बहुत ही नुकसान हुआ है। यह किसानों के हितों से जुड़ा हुआ एक अह्म मुद्दा है। इस पर अव य ही गौर किया जाना चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कृपया आप सभी बैठ जाईए, अब मायना साहब बोलेंगे।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर सर, 5 तारीख से इस सदन की कार्यवाही चल रही है। विधान सभा में परम्परा के अनुसार ट्रेजरी बैंचिज और अपोजी ान बैंचिज आमने सामने होते हैं, जिस प्रकार से आज हम बैठे हुए हैं। यहां पर सभी विधायक अपने अपने इलाके अथवा हल्के की रिपोर्ट लेकर के आते हैं तथा जहां कहीं भी कोई खामियां अथवा कमियां होती हैं, उनको वह आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहते हैं क्योंकि हमे ाा सरकारी बैंचिज पर बैठने वाले सदस्य बहुत सी बातें ऐसी होती हैं जो अपनी सरकार के सामने नहीं कह सकते। वह बातें इसलिए सरकार के सामने नहीं आ पाती क्योंकि सरकारी बैंचिज पर बैठने वाले माननीय सदस्य यह सोचते हैं कि अगर हम यह बात हाउस के सामने कहेंगे तो उस बात से मुख्य मंत्री जी नाराज न हो जाएं। सरकार की कुछ गलतियां होती है लेकिन उन गलतियों को सरकारी बैंचिज पर बैठने वाले सदस्य उजागर नहीं कर सकते।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने मेरा जिक्र करते हुए कहा है कि सरकारी बैंचिज पर बैठने वाले माननीय सदस्य सरकार की गलतियों को उजागर नहीं कर सकते क्योंकि मुख्य मंत्री नाराज हो जाएगा। मैं उनको बताना चाहूंगा कि आप इस बात को मान कर चलें कि मैं किसी भी मैम्बर को यह नहीं कहता कि आप सरकार की खामियां न बताएं।

श्री बलवंत सिंह: स्पीकर साहब, मैंने तो यह कहा है कि वे मैम्बर बता नहीं पाते। इसलिए सदन में अपोजी ान का होना बहुत जरूरी है। स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के अपोजी ान लीडर चौधरी ओम प्रका ा चौटाला यहां हाउस में बैठे हुए थे और उस समय ऐसी कोई इस किस्म की बात नहीं कही गई थी जिसकी बिना पर उनको सदन से निलम्बित कर दिया गया। आप भी देख रहे थे, सारा सदन देख रहा था, प्रैस भी देख रही थी, उन्होंने कोई भी ऐसी बात नहीं कही थी फिर भी उनको निलम्बित कर दिया गया। इसी प्रकार से हमारी पार्टी के अध्यक्ष श्री धीरपाल जी को आपने निलम्बित कर दिया और इसी प्रकार से हमारी पार्टी के सदस्य श्री रमे ा कुमार खटक को भी आपने निलम्बित कर दिया। कांग्रेस पार्टी की तरफ से आपने चौधरी भजन लाल को भी निलम्बित कर दिया। उन सभी को आपने पूरे सै ान ` लिए निलम्बित कर दिया।

श्री अध्यक्ष: उनको मैंने निलम्बित नहीं किया यह तो हाउस का फैसला था।

श्री बलवंत सिंहः वह फैसला भी तो आपके माध्यम से ही हुआ था। इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि आप अपने फैसले को रिव्यू करें और उनको सदन में बुलाएं। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने भी उस दिन यह कहा था कि उनको सदन में बुलाया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, आप हाउस के कस्टोडियम हैं। हम आप से यही उम्मीद करते हैं।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (ाोर)

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः स्पीकर साहब, क्या जीरो आवर में प्वायंट ऑफ आर्डर रेज किया जा सकता है? (ाोर)

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर सर, मैं सबमि ान कर रहा हूं। आप मेरी बात सुनें। उनको हाउस से सस्पैंड करने का फैसला हाउस ने किया था। आप स्पीकर साहब को बीच में क्यों लाते हैं।

श्री अध्यक्षः वह तो हाउस का फैसला था मैंने उनको सस्पैंड नहीं किया। (ाोर)

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः स्पीकर साहब, ... (ाोर)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य जो कुछ भी बोल रहे हैं nothing to be recorded.

श्री बंसी लालः हमने उनको सस्पैंड करने का जो फैसला किया हम उस पर कायम हैं। अब बोलो आप और क्या कहना चाहते हैं। (ाोर)

Mr. Speaker: All of you please sit down. Now, Balwant Singh maina will continue.

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, मेरे कहने का भाव यह था . . (ाोर)

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य अपनी पार्टी के मैम्बर को ही नहीं बोलने देना चाहते। कम से कम आप अपनी पार्टी के मैम्बर को तो बोलने दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः जो माननीय सदन से सस्पैंड किए गए हैं वह हाउस का फैसला है उसमें स्पीकर का कोई हाथ नहीं है। (ाोर)

श्री बलवंत सिंहः सर, आपके माध्यम से ही उनको सस्पैंड किया गया है। (ाोर)

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, आज ये दूसरा . . कर रहे हैं। जिस ढग से ये . . कर रहे हैं उस ढंग से तो चौटाला साहब वापस आने से रहे। (ाोर एवं विध्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये बीच में इन्ट्रैप्ट मत करें। इस भाब्द को एकस्पंज कर दें।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहने जा रहा था कि जिन सदस्यों का मैंने नाम लिया उनके न होने से हाउस की कार्यवाही में सूनापन सा लग रहा है। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, इनके पास कहने को तो कुछ है नहीं। (विध्न)

श्री अध्यक्षः मेरा पार्लियामेंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर से रिक्वैस्ट है कि आप बैठ जाये, पहले मायना साहब को अपनी बात कह लेने दें।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा हूं कि हमारे लीडर न होने की वजह से जितनी हाउस में डिस्क ान हुई है उसमें अधूरापन सा लगता है। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस सै ान का आज आखिरी दिन है। हम आज की कार्यवाही खत्म होने पर घर जाएंगे तो लोगों के सामने हम क्या बता पाएंगे, क्या कहेंगे कि हमारे दो सदस्यों को हाउस से गलत निकाल दिया गया। सरकार बहुत से बिल ले कर आई है। लेकिन एक चीज जो मेरी जानकारी में आयी है, हो सकता है कि वह बात सत्य न हो लेकिन सुना जा रहा है कि यह सरकार 400 करोड़ रुपये के टैक्स हरियाणा की जनता पर लगाना चाहती है।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को आपके जरिये और पूरे विपक्ष को वि वास दिलाता हूं कि हम कोई नया टैक्स नहीं लगाने जा रहे हैं (ाोर)

Shri Jaswinder Singh Sindhu : Sir.....

Mr. Speaker: Please take you seat.

Shri Jaswinder Singh Sindhu: Mr. Speaker, Sir, ...

Mr. Speaker: I warn you.

Shri Jawinder Singh Sindhu: Sir, ...

Mr. Speaker: You ar not allowed to interrupt. Please take your seat.

Shri Jaswinder Singh Sindhu: Sir, ...

श्री अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों को एक बात बताना चाहता हूं कि हमारे जो विपक्ष के साथी बार बार यह कहते हैं कि हमें बोलने का मौका नहीं दिया और इस बारे में प्रैस में भी कुछ लिखा है। इस बारे में मेरा कहना यही है कि प्रैस में कुछ भी आये उनको लिखने की पूरी स्वतंत्रता है, कुछ लिखें और आप भी कुछ कहें आपको भी पूरी स्वतंत्रता है। लेकिन जो रिकार्ड है, जो सच्चाई है, वह मैं आपके सामने बता देना चाहता हूं। गवर्नर एड्रैस पर टोटल समय दिया 558 मिनट जिस में से ट्रेजरी बैचिंज 238 मिनट और आपोजी ान 320 मिनट। इसी प्रकार डिस्क ान ऑन बजट टोटल समय 496 मिनट, ट्रेजरी बैंचिज 195 मिनट और

आपोजी ान 301 मिनट। डिमाण्डज फार ग्रान्ट्स पर 226 मिनट का समय दिया गया, जिससे ट्रेजरी बैंचिज 14 मिनट और आपोजी ान 212 मिनट। एप्रोप्रिये ान बिल नं0 1 तथा 2, पर 104 मिनट का समय दिया गया जिसमें केवल ट्रेजरी बैंचिज 26 मिनट और आपोजी ान 78 मिनटस। इसी प्रकार कल लोकपाल बिल पर ट्रेजरी बैंचिज केवल 8 मिनट, श्रीमती करतारी देवी 10 मिनट, रामपाल माजरा 11 मिनट, रणदीप सिंह सुरजेवाला 47 मिनटस, मनी राम 5 मिनटस, वीरेन्द्र सिंह 45 मिनटस, कैप्टन अजय सिंह 14 मिनट, कुल मिला कर टोटल 132 मिनट्स का समय दिया गया। ऊपर दी गई स्थिति से यह स्पश्ट है कि आपोजी ान को बोलने के लिए ट्रेजरी बैंचिज से काफी ज्यादा समय मिला है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आपने, जो मैम्बर्ज बोलें हैं उनके आंकड़े पढ़ कर हाउस में बताए हैं हर चीज में आपोजी ान वाले मैम्बर्ज को बोलने के लिए आधे से ज्यादा समय मिला है फिर भी ये लोग कहते हैं कि बोलने के लिए टाईम नहीं मिला है इसस ज्यादा इनको और कितना टाईम दिया जा सकता है? वैसे ये लोग अगर अपनी गाड़ियों में बैठ कर जाना चाहें तो इनकी मर्जी है (हंसी)

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बहुत जरूरी चीज हाउस में कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं दो बातें हाउस में रखना चाहता हूं। एक तो मेरी अर्ज है कि

यहां पर हाउस में क्वै चन बहुत ज्यादा होते हैं। हर मैम्बर यह चाहता है कि अपनी कांस्टीच्यूएंसी के बारे में सवाल पूछे और यह उनका हक भी है कि लोगों को पे ा आ रही दिक्कतों की तरफ वह सरकार का ध्यान दिलाएं और जो सुविधाएं लोगों को मिलनी चाहिएं उस बारे में सरकार से मांग करे। अध्यक्ष महोदय, आपसे मेरी गुजारि ा है कि पिछले 11 दिनों में सै ान के दौरान जो सबसे बड़ी कमी नजर आई है वह यह है कि कई मैम्बर साहेबान ने अपनी अपनी कांस्टीच्यूएंसी के बारे में सवाल पूछे हैं। आप इतनी मेहरबानी कीजिए कि एक या दो सवाल ऐसे भी होने चाहिए जो स्टेट पोलिसीज को प्रोजैक्ट करते हुए पूछे जाएं। यह आपका डिस्क्रि ान भी है। जैसे हर कोई मैम्बर अपनी कांस्टीच्यूएंसी के बारे में पूछता है कि मेरे हल्के में फलां जगह पर कॉलेज खुलना है या कोई स्कूल अप ग्रेड होना है। एजुके ान मिनिस्टर यह जवाब देते रहे कि हां या नहीं। बजाए इसके कोई ऐसा सिस्टम को जिसमें स्टेट पोलिसी भी आ जाए और क्राईटीरिया भी पता लग जाए तथा स्कूल कहां कहां अपग्रेड हैं यह भी पता चल जाए या कांस्टीच्यूएंसी वाईज अपग्रेडे ान के बारे में ये बता दें। एक दो सवाल ऐसे जरूर होने चाहिएं।

श्री अजयः अपनी कांस्टीच्यूएंसी के बारे में सवाल पूछने का मैम्बर का राईट है कि उन्हें क्या पूछना है।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, आपसे मेरी यह सबमि ान थी कि जैसे कि एक सवाल लगा हुआ था कि हमारे

भूगर मिल्ज में कितने लोसिज हैं। इसमें सारी भूगर मिल्ज के आंकड़े आ जाएं जिससे एक एक मैम्बर को पर्टिकुलरली न पूछना पड़े इससे हाउस का समय भी बचेगा। मेरी सबमि ान है कि ऐसा कोई सिस्टम आप एडोप्ट कीजिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से भी आप ठीक समझें या आपोजी ान वाले ठीक समझें उसी तरह से लगा दें हमें कोई एतराज नहीं है। कोई भी क्वै चन कहीं भी लगे सरकार को तो जवाब देना ही है।

श्री अजयः गाबा साहब, आप तो स्वयं मंत्री रहे हैं आपको पता ही है कि क्वै चन का एक सिस्टम होता है फर्स्ट कम फर्स्ट सर्वड के आधार पर क्वै चन लगाए जाते हैं। मैं चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को बताना चाहूंगा कि रूल्ज कमेटी में मैं चेयरमैन हूं और ये भी माननीय सदस्य हैं। हरियाणा में हमने एक नई परम्परा भुरू की है। पहले प्र नकाल की लिस्ट में 12 प्र न होते थे अब 20 प्र नों का फैसला इस कमेटी ने किया है।

11.00 बजे

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मेरी दूसरी रिक्वैस्ट एक और है। इस बारे में बलवन्त सिंह जी ने भी कहा था कि सत्ता पक्ष और विपक्ष सै ान खत्म होने के 6 महीने बाद दोबारा मिलते हैं, तो बजाए इसके कि एक दूसरे को कुछ कहें हमें एक नए माहौल में मिलना चाहिए, स्टेट के बारे में, लोगों के बारे में

भलाई के कामों के बारे में विचार विम र्श करना चाहिए। ऐसी मेरी सबसे प्रार्थना है।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मेरा जो सजै ान था वह मैंने कह दिया था और चीफ मिनिस्टर साहब ने उस बरे में बता दिया है। अब आप हमारी पार्टी के जसविन्द्र सिंह को बोलने दें।

श्री अध्यक्षः आपकी पार्टी की तरफ से बलवन्त सिंह मायना बोल चुके हैं अब वीरेन्द्र सिंह जी बोलेंगे। (विध्न) अब आप बैठ जाएं। भागी राम जी, आप भी बैठ जाएं। सबको बोलने का समय दिया जाए। (विध्न) ठीक है जसविन्द्र सिंह जी आप पांच मिनट बोलें।

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी का ध्यान मेरी कांस्टीच्यूंएसी से होकर गुजरने वाली मारकंडा नदी की तरफ दिलाना चाहता हूं। उसकी दायी तरफ निर्मल सिंह जी का हल्का पड़ता है वहां पर बांध बनाने का विचार है। अगर ऐसा होगा तो वहां पर 15 डेरे उठाने पड़ेंगे, पांच सौ एकड़ जमीन और एक गुरूद्वारा भी बीच में आ जाएगा। जिससे लोगों को नुकसान होगा। इस बारे में चीफ इन्जीनियर इरीगे ान से भी लोग मिले थे कि उसको थोड़ा अन्दर की तरफ बनाया जाए। अगर उसको अन्दर की तरफ बनाते हैं तो वहां पर एक डेरा ही आता है जिसको वहां के लोग हटाने को तैयार हैं। इस बारे में ध्यान रखा

जाए। इसके साथ ही इस नदी की बाई ओर एक बांध बना हुआ है वह काफी पुराना है। अगर दाई और ये बांध बन गया तो उस पुराने बांध के टूटने का खतरा है जिससे काफी नुकसान हो जाएगा। क्या ये उस बांध को भी पक्का बनावाने का विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, अगर ये बांध जो नया बनाने जा रहे हैं थोड़ा अन्दर से बनवाएंगे जिससे वहां पर जो डेरे हैं और गुरूद्वारा है वे बच जाएंगे। इसके साथ साथ मैं आपसे यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि हम पिछले चार दिनों से जीरो ऑवर में हमारे लीडर ऑफ दी आपोजी ान श्री ओम प्रका ा चौटाला, हमारे अध्यक्ष श्री धीरपाल सिंह, रमे ा कुमार खटक और कांग्रेस विधायक दल के नेता चौधरी भजनलाल जिन को आपने निश्काि ात किया हुआ है, को वापस हाउस में बुलाने के लिए आपसे प्रार्थना कर रहे हैं। लेकिन आपने कहा है कि यह तो हाउस का फैसला है परन्तु अध्यक्ष महोदय, हमने तो इस हाउस के फैसले को नहीं माना। अखबारों के ऐडीटोरियल कॉलम में इस बारे में काफी छपा है। आपकी कुर्सी की भी और आपकी काफी उनमें चर्चा हुई है। अध्यक्ष महोदय, इस बार यह जो परम्परा डाली गई है, वह बिल्कुल ठीक नहीं है। आप जब भी बोलने का टाईम देते हैं तो वह ट्रैजरी बैंचिज वालों को ही देते है। लाठर साहब तो दो दिन से जीरों ऑवर में बोल रहे हैं लेकिन आपने हमें समय नहीं दिया। जबकि उनके पास कहने को कुछ नहीं होता।

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र सिंह जी, ऐसा है कि मैंने आपको रिकार्ड की बात बतायी है। चाहे बजट पर बोलने की बात हो, चाहे गवर्नर ऐड्रस पर बोलने की बात हो, चाहे ऐप्रोप्रिए ान बिल पर बोलने की बात हो या फिर चाहे डिमांडज पर बोलने की बात हो, आप यह नहीं कह सकते कि मैंने आपको बोलने का समय नहीं दिया। आप तथ्यों से बाहर नहीं जा सकते।

श्री जसविन्द्र संधुः स्पीकर सर, लाठर साहब तो रोजना जीरों ऑवर में बोल लेते हैं वे तो हमारी सरकार में चेयरमैन भी रहे हैं उनको तो ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए थीं। इसके अलावा हमारी पार्टी के सदस्य अ ाोक कुमार जी ने आपको जो कालिंग अटें ान मो ान के नोटिस दिया था कि भााहबाद की भूगर मिल दो दिनों तक बंद रही। उसका भी आपने कुछ नहीं बताया।

श्री अध्यक्षः आपका यह मो ान अभी अंडर कंसीड्रे ान है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जसविन्द्र सिंह जी ने जो मारकंडा नदी पर बांध बनाने की बात कही है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि हम आज ही इस बारे में इंजीनियर्ज को आदे ा दे देंगे कि वे इसको चैक करके मुझे रिपोर्ट करें कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, जीरो आवर तो आधे घण्टे का होता है लेकिन आज तो 35 मिनट से भी

ज्यादा हो गए हैं इसलिए अब तो आपको लैजिसलेटिव बिजनैस भाुरू करना चाहिए।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी एक छोटी सी सबमि ान करनी है।

श्री अध्यक्षः अभी आप बैंठे।

वाक–आउट

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, मुझे भी अपनी बात कहने के लिए समय दें।

श्री अध्यक्षः आप बैंठे और श्री वीरेन्द्र सिंह को बोलने दें।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, आपने तो मुझे बोलने का समय ही नहीं दिया है। न आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया और न ही मैं गवर्नर के अभिभाशण पर बोला हूं।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए और वीरेन्द्र सिंह जी को अब बोलने दें।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, अगर आप मुझे बोलने के लिए समय नहीं देते हैं तो मैं इसके विरोध में सदन से वाक आउट करता हूं।

(इस समय समता पार्टी के माननीय सदस्य श्री भागीराम सदन से वाक–आउट कर गए)

विभिन्न विशयों का उठाया जाना/सदन की कार्यवाही में सुधार के लिए सुझाव देना (पुनरारम्भ)

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमि ान है। सर, जैसा आपने इनको टाईम के बारे में बताया कि आपने इतना–इतना टाईम अपोजी ान की बोलने के लिए दिया है। लेकिन आप यह भी बता दें कि इन्होंने अभी तक वाक–आउट कितनी बार किया है ताकि सबको पता तो लगे कि ये सिर्फ वाक–आउट करने के लिए यहां पर आते हैं। पहले इन्होंने यह कहा था कि हम कोई नया . . . . . करने के लिए आए हैं।

श्री अध्यक्षः ये इनका ड्रामा वाला भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा था कि इन्होंने आज बिल्कुल नया तरीका अपनाना था तो ये हमें बता दें कि वह नया तरीका क्या था? (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठें और वीरेन्द्र सिंह को बोलने दें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः ये जो बात वीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं इसे कार्वाही में रिकार्ड न किया जाए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब ने जो बात कही है यह ठीक है कि क्वै चजं वाई ड्रा आफ लौट होते हैं लेकिन यह बात सही है कि सारे क्वै चन आप पढ़ोगे तो उसमें से 80 प्रति ात क्वै चन ऐसे हैं जो नीति संबंधी नहीं है और नीति संबंधी क्वै चन आया भी तो वह पीछे चला गया।

श्री अध्यक्षः वीरेन्द्र सिंह जी, आप भी रूल्ज कमेटी में हैं और मैं भी रूल्ज कमेटी में हूं इस बारे रूल्ज कमेटी में फैसला कर लेंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि जीरो–आवर का मतलब यह नहीं है कि कोई भी खड़ा होकर किसी टाईम कुछ भी बोलना चाहे तो बोले। वह चाहे विपक्ष का हो या ट्रेजरी बैंचिज का हो। उसमें एक तरीका यह है जिससे कि जीरो–आवर की परपजफलनैस नजर आए और जीरो ऑवर में कोई मैंबर बोलना चाहे he must give in writing before the start of session of that particular day, so that he has the right to speak during zero hour, Sir.

श्री अध्यक्षः इस बारे में भी रूल्ज कमेटी में डिसाइड कर लेंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः जहां तक वाक–आउट की बात है तो वाक–आउट करना हमारा अधिकार है। कमला वर्मा जी अगर एक बार भी वाक–आउट कर जाएं तो हम वाक–आउट करना बंद कर देंगे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, वीरेन्द्र सिंह जी को और भागीराम को तो टपकले का डर है। इनको तो यही लगा रहता है कि हम कब यहां होंगे इसलिए मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि वे दिन लद गए, वह बात खत्म हो गई। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं तो इसलिए कह रहा था कि आज आखिरी दिन है अच्छे माहौल में सब जाएं। आपसे जो थोड़ी बहुत गड़बड़ हुई हैं मुझे आ ाा है कि आप भी मनन करेंगे, चिंतन करेंगे कि जो एवरेज है वह अगले सदन में दूर हों। मुझे आ ाा है कि पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर भी अपनी आदत सुधारेंगे। यह जो प्रथा है, फटाफट रैजौल्यू ान लाने की कि इसको निकालो There are the abrasions and these abrasions can be removed. We are always for good gesture.

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliamentary Affiars Minister will move the motion under Rule 15.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I beg to move-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Question is-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affiars Minister will move the motion under Rule 16.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I beg to move-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried.

सदन की मेज़ पर रखे गए कागज़–पत्र

Mr. Speaker: Now a Minister will lay papers on the Table of the House.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I geb to lay on the Table-

1. The Annual Financial Accounts of Haryana Khadi & Village Industries Board for the year 1993-94 as required under section 19A (3) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

2. The 23rd Annual Report of the Haryana Tanneries Limited for the year 1994-95 as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

3. The Administrative Report of the Haryana State Electricity Board for the year 1994-95 as required under section 75(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

4. The 29th Annual Report of the Haryana State Industrial Development Corporation Limited for the year 1995-96 as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 9156.

5. The Statement showing the loans raised by the Haryana State Electricity Board upto 15-1-1997 as required under section 66 of the Electricity (Supply) Act, 1948.

6. The report of Inquiry headed by Mr. V.M. Jain, District & Sessions Judge as required under sub-seciton (4) of Section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952.

समितियों की रिपोर्टस पे ा करना

(i) पब्लिक अकाऊंट कमेटी की 44वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now the Chairman, Committee on Public Accounts will present its 44th Report for the year 1996-97.

Chairman, Committee on Public Accounts (Shri Ram Bhajan Aggarwal): Sir, I beg to present the Forty Fourth Report of the Committee on Public Accounts for the year 1996-97, on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1991, 31st March, 1992 and 31st March, 1993 (Civil & Revenue Receipts).

(ii) पब्लिक अंडरटेकिंग्ज कमेटी की 42वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, the Chairman, Committee on Public Undertakings will present its Forty Secnd Report.

Chairman, Committee on Public Undertakings (Shri Satpal Singh Sangwan): Sir, I beg to present the Forty Second Report of the Committee on Public Undertakings for the year 1996-97 on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1993-94 (Commercial).

(iii) वैलफेयर ऑफ ि ाड्यूल्ड कास्टस एंड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज कमेटी की 22वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Chairman, Committee on the Welfare of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes will present its 22nd Report.

चेयरमैन, कमेटी आन दि वैलफेयर ऑफ ि ाड्यूल्ड कास्टस एण्ड ि ाड्यूल्ड ट्राइब्ज (श्री कपूरचन्द भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं वर्श 1996–97 के लिए अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के कल्याण के लिए समिति की 22वीं रिपोर्ट प्रस्तुत करता हूं।

(iv) एस्टीमेटस कमेटी की 29वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Chairman, Committee on Estimates will present its 29th Report for the year 1996-97.

Chairman, Committee on Estimates (Shri Narpender Singh): Sir, I beg to present the Twenty Ninth Report of the Committee on Estimates for the year 1996-97.

(v) गवर्नमैंट ए योरैंसिज कमेटी की 28वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker: Now, Shri Bijender Singh, a member of the Committee on Government Assurances will present its 28th Report for the year 1996-97.

Chairman, Committee on Government Assurances (Shri Bijender Singh Kadian): Sir, I beg to present the Twenty Eighth Report of the Committee on Government Assurances for the year 1996-97.

बिल

(iv) दि महार्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल, 1988

(पुनर्विचार के लिए राज्यपाल से वापस यथाप्राप्त)

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will move the Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1988 (as received back from the Governor for reconsideration).

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma): Sir, I beg to move-

That the Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1988 as passed by the Haryana Vidhan Sabha on 8th April, 1988, be reconsidered in the light of the observation contained in the direction, dated the 30th March, 1995, from the President of India, conveyed by the Governor in his massage, dated the 13th September, 1995, with a view to suitably amend clause 2 of the Bill as follows:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominees of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabeticla order from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and condition of service of the Vice-Chancellor shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may, on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with

the principle of natural justice, and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person patently unfit to be continued in such office."

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1988 as passed by the Haryana Vidhan Sabha on 8th April, 1988, be reconsidered in the light of the observation contained in the direction, dated the 30th March, 1995, from the President of India, conveyed by the Governor in his massage, dated the 13th September, 1995, with a view to suitably amend clause 2 of the Bill as follows:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominees of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabeticla order from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and condition of service of the Vice-Chancellor shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may, on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principle of natural justice, and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person patently unfit to be continued in such office."

Mr. Speaker: Question is-

That the Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1988 as passed by the Haryana Vidhan Sabha on 8th April, 1988, be reconsidered in the light of the observation contained in the direction, dated the 30th March, 1995, from the President of India, conveyed by the Governor in his massage, dated the 13th September, 1995, with a view to suitably amend clause 2 of the Bill as follows:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominees of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabeticla order from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and condition of service of the Vice-Chancellor shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may, on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principle of natural justice, and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person patently unfit to be continued in such office."

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Amendment on clause 2 has been received from the Education Minister, which will be deemed to have been read and moved.

That in clause 2 of the Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1988, for sub-section (1) of Section 9A of the Maharshi Dayanand University Act 1975, proposed to be substituted, the following sub-section shall be submitted namely:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominee of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabetical order from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and conditions of service of the Vice-Chancellor shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may, on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principle of natural justice and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person patently unfit to be continued in such office."

Mr. Speaker: Question is-

That in clause 2 of the Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1988, for sub-section (1) of Section 9A of the Maharshi Dayanand University Act 1975, proposed to be substituted, the following sub-section shall be submitted namely:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominee of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabetical order from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and conditions of service of the Vice-Chancellor shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may, on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principle of natural justice and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person patently unfit to be continued in such office."

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Qustion is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

M. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will move that the Bill, as amended, be passed.

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma): Sir, I beg to move-

That the Bill, as amended, be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill, as amended, be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill, as amended, be passed.

The motion was carried.

(ii) दि कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल, 1988 पुनर्विचार के लिए राज्यपाल से वापस यथाप्राप्त

Mr. Speaker: Now, the Education Minister will move that the Kurukshetra University (Amendment) Bill, 1988 (as received back from the Governor for reconsideration).

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma): Sir, I beg to move-

That the Kurukshetra University (Amendment) Bill, 1988 as passed by the Haryana Vidhan Sabha on 8th 1988, be reconsidered in the light of the observation contained in the direction, dated the 30th March, 1995, from the President of India, conveyed by the Governor in his massage, dated the 13th September, 1995, with a view to suitably amend clause 2 of the Bill as follow:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominees of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabetical order from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and conditions of service of the Vice-Chancellor, shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principles of natural justice and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person petently unfit to be continued in such office."

The motion was carried.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Kurukshetra University (Amendment) Bill, 1988 as passed by the Haryana Vidhan Sabha on 8th 1988, be reconsidered in the light of the observation contained in the direction, dated the 30th March, 1995, from the President of India, conveyed by the Governor in his massage, dated the 13th September, 1995, with a view to suitably amend clause 2 of the Bill as follow:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominees of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabetical order from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and conditions of service of the Vice-Chancellor, shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principles of natural justice and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person petently unfit to be continued in such office."

Mr. Speaker: Question is-

That the Kurukshetra University (Amendment) Bill, 1988 as passed by the Haryana Vidhan Sabha on 8th 1988, be reconsidered in the light of the observation contained in the direction, dated the 30th March, 1995, from the President of India, conveyed by the Governor in his massage, dated the

13th September, 1995, with a view to suitably amend clause 2 of the Bill as follow:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominees of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabetical order from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and conditions of service of the Vice-Chancellor, shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principles of natural justice and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person petently unfit to be continued in such office."

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill Clause by Clause.

Clause 3

Amendment on clause 2 has been received from the Education Minister, which will be deemed to have been read and moved.

That in clause 2 of the Kurukshetra University (Amendment) Bill, 1988 for sub-section (1) of section 11 of the Kurukshetra University Act, 1986, proposed to be substituted, the follwoing sub-section shall be substituted namely:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominees of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabetical order, from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and conditions of service of the Vice-Chancellor, shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principles of natural justice and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person petently unfit to be continued in such office."

Mr. Speaker: Question is-

That in clause 2 of the Kurukshetra University (Amendment) Bill, 1988 for sub-section (1) of section 11 of the Kurukshetra University Act, 1986, proposed to be substituted, the follwoing sub-section shall be substituted namely:-

"(1) The State Government shall constitute a Selection Committee consisting of one nominee of the Chancellor and two nominees of the Executive Council, which shall prepare a panel of at least three names, in alphabetical order, from which the Chancellor shall appoint the Vice-Chancellor, on the advice of the State Government. The terms and conditions of service of the Vice-Chancellor, shall be determined by the Chancellor, on the advice of the State Government.

(1A) The Chancellor may on the advice of the State Government, cause an inquiry to be held in accordance with the principles of natural justice and remove the Vice-Chancellor from office, if he is found on such inquiry, to be a person petently unfit to be continued in such office."

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That clause 2, as amended, stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Education Minister will move that the Bill, as amended, be passed.

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma): Sir, I beg to move-

That the Bill, as amended, be passed

Mr. Speaker: Motion move-

That the Bill, as amended, be passed

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill, as amended, be passed

The motion was carried.

(iii) **दि हरियाणा म्यूनिसिपल कार्पोरे ान (अमैंडमैंट) बिल, 1997**

Mr. Speaker: Now the Local Government Minister will introduce the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 1997 and also move the motion for its consideration.

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा नगर निगम (सं ाोधन) विधेयक, 1997 प्रस्तुत करती हूं।

मैं यह भी प्रस्ताव करती हूं कि

हरियाणा नगर निगम (सं ाोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, यह जो अमैंडमैंट आज लाया जा रहा है। इसके तहत इसमे डबल मैम्बरि ाप नहीं रहेगी। मैं इस का स्वागत करता हूं लेकिन अगर कोई व्यक्ति एम0एल0ए0 इलैक्ट हो जाता है तो वह नगर निगम का मैम्बर नहीं रह पाएगा। मैं इस बारे में एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि एम0एल0ए0 अपने आप में एक इस्टीच्यू ान है। आर्डर आफ प्रोटोकोल में चीफ0 सैक्रेटरी से उपर एम0एल0ए0 का दर्जा जाता है। अध्यक्ष महोदय पिछले दिनों में माननीय मुख्य मंत्री जी से मिला था तब भी मैंने कहा था और अब हाउस में भी मैं कहता हूं कि पिछली सरकार के वक्त में एक स्कीम थी जिसे एम0एल0ए0 ऐरिया डिवैल्पमैंट स्कीम कहा जाता था एम0एल0ए0 डैमोक्रेटिकली इलैक्टिड व्यक्ति होता है जो कि लोगों के बीच में रहता है और उसे मालूम होता है कि लोगों की समस्याएं क्या हैं और लोगों की प्रॉब्लम्ज के बारे में उसे बेहतर जानकारी होती है। उसे यह मालूम रहता है कि कहा कहां पर क्या क्या काम किया जाना है। एक एम0एल0ए0 काम करवाने के लिए ब्यूरोक्रेटस के पीछे घूमता फिरे

कि मेरे हल्के में फलां जगह यह काम होना है यह ठीक नहीं है। (विध्न)

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय मैम्बर जो बात कह रहे हैं उसका इस विधेयक के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है।

श्री अध्यक्ष: कैप्टन साहब, मन्त्री महोदया बिल्कुल ठीक फरमा रही हैं अगर आपको इस बिल पर बोलना है तो बोलिए। आप इस बिल पर रैलेवैंट बोलिये (विध्न) बिल के बारे में कोई रैलेवैंट बात आप कहना चाहते हैं तो कहें या कोई सुझाव देना चाहते हैं तो बताएं।

ि ाक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, कैप्टन अजय सिहं जी के साथ तो वह हालत है कि एक बार कबीर जी ने पानी के ऊपर कोई मंत्र किया और यह कहा कि जो यह पानी पी जाएगा वह अमर हो जाएगा। कोई एक जोगी वहां पर आया उसको कबीर जी ने कहा कि जोगी यह पानी पी ले। उस जोगी ने यह सोचा कि कबीर फकीर है, सन्त है, औलिया है पता नहीं यह क्या पिला रहा है। सन्देह के मारे वह जोगी वहां से चला गया और उसने वह पानी नहीं पिया। इतनी देर में मुल्तान से आई हुई बेटी उनके पास आई और बिना पूछे ही वह पानी उसने पी लिया और वापिस मुल्तान चली गई। कुछ दो–चार किलोमीटर दूर जा कर उस जोगी ने सोचा कि कबीर जी सन्त हैं

वे किसी का बुरा तो नहीं कर सकते हैं उस जल में पता नहीं वह क्या पिलाना चाहते हैं वह वापिस लौट आया और कबीर जी के पास आ कर कहने लगा कि मैं वह पानी पीना चाहता हूं, तब कबीर जी ने उस को कहाः–

प्यावे था पीयों नहीं भोले जोगी अभिमान कियो,

अब जोगी क्यो भूल परयो वह पानी तो मुल्तान गयो।

अध्यक्ष महोदय, जब बिल पर बोलना होता है तब इन्हें कांस्टीच्यूएंसी की याद आती है और जब कांसटीच्यूएंसी की बात कहनी होती है तो ये कुछ और बोलते हैं। आपने इनको इस बिल पर बोलने के लिए कहा है लेकिन कैप्टन साहब अब दूसरी बात कह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बिल की बात है और इन्हें बिल पर ही बोलना चाहिए।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं। आदरणीय ि ाक्षा मन्त्री जी ने इनके बारे में बिल्कुल ठीक मिसाल दी है। अब इनको बिल पर बोलना चाहिए लेकिन बिल पर कुछ कहने की बजाये इनको अपने हल्के की याद आ रही है। जब इन की अपनी सरकार थी और चौधरी भजन लाल जी के मंत्रिमंडल में ये मंत्री रहे हैं तब इन्हें अपने हल्के की याद नहीं आती थी लेकिन अब इन्हें अपने हल्के की याद सता रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, म्यूनिसपल कारपोरे ान बिल में जो अमैंडमैंट ये ले कर आए हैं यह ठीक है लेकिन आज म्यूनिसिपिल कारपोरे ान की हालत बहुत ही खराब है इनकी फाईनेि ायल पोजी ान बहुत ही ज्यादा क्रिटिकल है कोई भी विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं। यहीं तक अपने कर्मचारियों को तनख्वाहें तक देने के लिए इनके पास पैसा नहीं है। यह ठीक है कि एम0एल0ए0 इसमें नहीं होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब आप बैठ जाएं। अब धर्मबीर गाबा जी बोलेंगे।

श्री धर्मबीर गाबा (गुड़गांव): अध्यक्ष महोदय, यह जो अमैंडमैंट आई है इसमें हमें यह बता दिया जाए कि इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के क्या आर्डर हैं और जो रिजर्व कांस्टीच्यूएंसी से जीत कर आएगा उसको ही प्रधान बनाया जाएगा या जरनल कैटेगरी वाले को भी बनाया जाएगा? अध्यक्ष महोदय, जब मैं मिनिस्टर था तब इस ऐक्ट को बनाने में मेरा भी हाथ था जिसमें अब ये अमैंडमैंट करने जा रहे हैं।

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग है कि जो महिला या पुरूश रिजर्व कैटेगरी से जीत कर आएगा वही प्रधान बन सकता है। जरनल कैटेगरी वाला नहीं बन सकता है।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment), Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill Clause by Clause

Clause 2

Mr. Speaker: Questioni is-

The Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 3 stand part of Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Local Government Minister to move that the Bill be passed.

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): मैं प्रस्ताव करती हूं कि–

विधेयक पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iv) दि हरियाणा म्यूनिसिपल (अमैंडमैंट) बिल, 1997

Mr. Speaker: Now the Local Government Minister will introduce the Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1997 and also move the motion for its consideration.

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): मैं हरियाणा नगर पालिका (सं ाोधन) विधेयक, 1997 प्रस्तुत करती हूं।

मैं यह भी प्रस्ताव करती हूं–

कि हरियाणा नगर पालिका (सं ाोधन) विधेयक, पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill Clause by Clause

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Local Government Minister will move that the Bill be passed.

Local Government Minister (Dr. Kamla Verma): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(v) दि हरियाणा लैजिसलेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एंड पैन ान आफ मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 1997

Mr. Speaker: Now, the Chief Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pesnsion of Members) Amendment Bill, 1997 and will also move the motion for its consideration.

मुख्य मंत्री (श्री बंसीलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं मैम्बर साहेबान के अलाउंसिज बढ़ाने के बारे मं यह बिल पे ा करना चाहता हूं। इस बिल के बारे में हमारी सभी की यानी धर्मबीर गाबा, कैप्टन अजय सिंह और समता पार्टी के सभी साथियों की एक समान राय थी और सभी ने इसके बारे में अपनी सहमति प्रकट की थी। इसलिए अध्यक्ष महोदय, हमने सभी ने आपस में डिस्क ान करके यह बिल आपके सामने पे ा करने का निर्णय लिया है।

Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members), Amendment Bill, 1997.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clause.

Clause (2) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 2

Mr. Speaker: Qustion is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Qustion is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Qustion is-

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Qustion is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will move that the Bill be passed.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

ि ाक्षा मंत्री द्वारा धन्यवाद

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, बजट सत्र का आज अंतिम दिन है। आपने बहुत भाालीनता से बड़े सम्मान के साथ सदन चलाया इसके लिए सबसे पहले तो हम आपका धन्यवाद करते हैं उसके बाद माननीय विपथ के जो विधायक हैं समता पार्टी के हैं, कांगेस के हैं इन सबका हम बहुत धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कुछ जो सुझाव दिए उनमें से कुछ के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने तुरंत आदे ा दिए। इसके साथ मैं

सारे सदन को, माननीय प्रैस को, अधिकारियों को होली का त्यौहार है, बड़ा पावन त्यौहार है उसकी बधाई देता हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि होली के रंगों में सब उज्जवल हो कर आएंगे और अपनी अपनी भूमिका को भूलकर आएंगे।

श्री अध्यक्षः आप सबका धन्यवाद।

Now the House stands adjourned sine-die.

11.51 Hrs.

(The Sabha then *adjourned sine-die).